

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश

**Siddharth University Kapilvastu,
Siddharthnagar,U.P**



पथ पराग

विविध कार्यक्रम आख्या



<https://www.suksn>

कुलाधिपति,
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु



माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

हमारी प्रेरणा श्रोत

आपकी प्रेरणा से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय नए आयाम प्राप्त कर रहा है। माननीया आपकी दिव्य दृष्टि समाज के उन पहलुओं पर पड़ती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। लाखों-करोड़ों युवा, महिलाओं और बच्चों के लिए आपमें जो संवेदनाएं हैं उन्हें हर व्यक्ति को ग्रहण करना चाहिए। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय आपके मार्दर्शन से समस्त कार्यक्रमों को सुनियोजित व सम्बद्ध तरीके से सफलता पूर्वक आयोजित करता है।

प्राक्कथन

भगवान बुद्ध के दर्शन और उपदेश की परंपरा और विरासत को संजोए हुए सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ९ वर्षों से इस क्षेत्र के युवाओं को ज्ञान विज्ञान कई विधाओं में प्रशिक्षित करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर अंकित कर रहा है ।

माननीय कुलाधिपति महोदया की आत्मप्रेरणा, सक्रिय निगरानी और सतत् मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के मध्य गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा दी जा रही है ।

अपना संविधान खास, विकास के साथ विरासत, उच्च शिक्षा में नवाचार, भाषाओं का विस्तार, पुस्तक पाठन में रुचि उत्पन्न करना, छात्र छात्राओं और समाज के हर वर्ग को शिक्षित करने एवं उन्हें आगे लाकर उनका उत्थान करना, साइकिल यात्रा के द्वारा पर्यावरण संरक्षण, बौद्धिक और शैक्षिक भ्रमण, शारीरिक और मानसिक सौष्ठव एवं खेल के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार एवं भारतीय परंपराओं का पुनर्जागरण यह सभी नवाचार आप ने विश्वविद्यालयों में कराया ।

इन्ही नवाचारों एवं कार्यक्रमों की संक्षेप में आख्या रिपोर्ट "पथ पराग" विश्वविद्यालय परिवार द्वारा प्रकाशित करते हुए हम गौरवान्वित हैं ।

माननीय कुलाधिपति महोदया सम्प्रति राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी को उनके मातृतुल्य मार्गदर्शन एवं विचारों को किस प्रकार वस्तु:पटल में क्रियान्वित किया जा सकता है उसकी सीख के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हम सब हृदय से नमन -वंदन -अभिनंदन करते हैं ।

यह संकलन निश्चित रूप से शिक्षा के माध्यम से छात्र-छात्राओं में बदलाव, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में नींव निर्माण का कार्य करेगा इसी विश्वास के साथ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता, सभी कार्यक्रम संयोजक एवं उनकी टीम को इस आकांक्षी क्षेत्र एवं विषम परिस्थितियों में लक्ष्यपूरित सफल कार्यक्रम के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं

जय हिन्द जय भारत

जय शिक्षा

डॉ कविता शाह
कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय
कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर यू पी



कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर कविता शाह जी की माननीय
कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिस्टाचार भेंट



कुलगीत

आत्म दीप प्रकाश पावन परम विद्याधाम
विश्वविद्यालय यही सिद्धार्थ जिसका नाम।

बुद्ध की करुणा अहिंसा प्रेम का उपहार,
उमड़ता रहता अहर्निश शांति-पारावार,
ज्ञान का आलोक मानव का परम संदेश,
नित्य प्रज्ञा प्रीति गुरुओं का नवल निवेश।
आत्म दीप प्रकाश पावन परम विद्याधाम
विश्वविद्यालय यही सिद्धार्थ जिसका नाम।

परम पावन परम निर्मल पुण्य भूमि प्रकाश,
ज्ञान का आनंद का आलोक का आकाश,
महाकरुणा से अलंकृत कपिलवस्तु महान,
अमरता की चिरतृषा का लोक मंगल गान।
आत्म दीप प्रकाश पावन परम विद्याधाम
विश्वविद्यालय यही सिद्धार्थ जिसका नाम।

नमन इसको इस धरा को कोटि-कोटि प्रणाम,
यह नहीं बस एक संस्था तीर्थ अमृत धाम,
महाप्रज्ञा महाकरुणा शांति का संदेश,
विश्वगुरु का यह तपोमय ज्ञान का परिवेश।
आत्म दीप प्रकाश पावन परम विद्याधाम
विश्वविद्यालय यही सिद्धार्थ जिसका नाम।

-रचयिता:
आचार्य अनन्त मिश्र

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन

1. सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु - विभिन्न आयोजन
2. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की १४८वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम
3. बिरसा मुंडा जयंती- 14 November 2024
4. संविधान दिवस (Constitution Day) तिथि: 26 नवंबर 2025
5. राष्ट्रव्यापी क्षय उन्मूलन कार्यक्रम
6. राष्ट्रीय युवा दिवस : 12-01-2025
7. अनंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम
8. पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय
9. दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा
10. नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा
11. 08-03-2025 International women Day @ Rajbhavan
12. माननीय कुलाधिपति महोदय श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय को भेंट की गयी
13. जन संवाद साइकिल यात्रा- (25, 26– 27 March 2025)

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु (Siddharth University, Kapilvastu)

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु (Siddharth University, Kapilvastu) उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है। यह विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और समाज के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित करता है।

विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों पर शैक्षिक सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं, जिसमें विशेषज्ञों और प्रोफेसरों द्वारा नए शोध, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, साहित्य, और समाजिक मुद्दों पर चर्चा की जाती है।

विश्वविद्यालय में खेलकूद का भी अहम स्थान है। यहाँ पर खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, और अन्य खेलों में छात्रों का उत्साहवर्धन किया जाता है। यह विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य और टीमवर्क की भावना को बढ़ावा देता है।

विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में छात्रों की रुचि को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। इसमें विभिन्न प्रयोगों, नवाचारों और नई तकनीकों का प्रदर्शन किया जाता है। इससे छात्रों को नए शोध और तकनीकी विकास के बारे में जानकारी मिलती है।

विश्वविद्यालय में समाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जैसे स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता।

समय-समय पर विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध शिक्षाविदों, विद्वानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान और वार्ता आयोजित की जाती है। इन व्याख्यानों से छात्रों को नवीनतम शैक्षिक और उद्योग संबंधित ज्ञान प्राप्त होता है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु का उद्देश्य न केवल शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है, बल्कि छात्रों को समाजिक, सांस्कृतिक और मानसिक विकास की दिशा में भी मार्गदर्शन देना है। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों का समग्र विकास होता है और वे भविष्य के लिए तैयार होते हैं।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की १४८वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

31-10- 2024- लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती

लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को मनाई जाती है। सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता और भारतीय गणराज्य के पहले उपप्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री थे। उन्हें "लोह पुरुष" के रूप में सम्मानित किया जाता है क्योंकि उन्होंने भारतीय एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए और भारतीय समाज को एकजुट करने के लिए उनका योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण था।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात राज्य के नडियाद गाँव में हुआ था। वे एक किसान परिवार में जन्मे थे, लेकिन उनकी मेहनत और संघर्ष के कारण उन्होंने भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया।

सरदार पटेल के योगदान:

- 1. भारतीय एकता के प्रतीक:** सरदार पटेल ने भारतीय राज्यों को एकजुट करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत की स्वतंत्रता के बाद विभिन्न रियासतों को एकजुट करने के लिए उन्होंने "स्टेट्स कनेक्शन" का काम किया और लगभग 562 स्वतंत्र रियासतों को भारतीय संघ में मिलाया। इसी कारण उन्हें "भारतीय संघ का वास्तुकार" भी कहा जाता है।
- 2. कृषि और समाजिक सुधार:** सरदार पटेल ने अपनी प्रारंभिक राजनीति का आरंभ किसानों के लिए काम करते हुए किया। उन्होंने नर्मदा और साबरमती के क्षेत्र में किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इसके अलावा, उन्होंने सामाजिक समानता और न्याय के लिए भी कई पहल कीं।
- 3. बारडोली सत्याग्रह (1928):** सरदार पटेल ने बारडोली में किसानों के लिए सत्याग्रह आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसमें किसानों की भूमि पर बढ़ाए गए करों का विरोध किया गया था। यह आंदोलन सफल रहा और पटेल को 'सरदार' (नेता) की उपाधि प्राप्त हुई।

4. **स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी:** वे महात्मा गांधी के सहयोगी थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से शामिल हुए थे। उनका योगदान 'नमक सत्याग्रह', 'साल्ट मार्च', और 'असहमति आंदोलन' जैसे प्रमुख आंदोलनों में था।
5. **गृह मंत्री के रूप में योगदान:** भारतीय स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल देश के पहले गृह मंत्री बने। उन्होंने देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने और भारतीय संघ की अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती का महत्व:

सरदार पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाई जाती है। इस दिन पूरे देश में उनके योगदान को याद किया जाता है और उनकी नीतियों और कार्यों को अपनाने का संकल्प लिया जाता है। इस दिन विशेष रूप से भारतीय एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए कार्य किए जाते हैं।

माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दिशा निर्देशन में उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की १४८वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां संचालित कराई गयीं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जो निम्नलिखित थी -

प्रतियोगिताओं का विषय –
“लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता”

1. भाषण प्रतियोगिता
2. एक पात्रीय नाट्य प्रतियोगिता
3. कविता लेखन प्रतियोगिता
4. निबंध लेखन प्रतियोगिता
5. देश भक्ति गीत(एकल) प्रतियोगिता



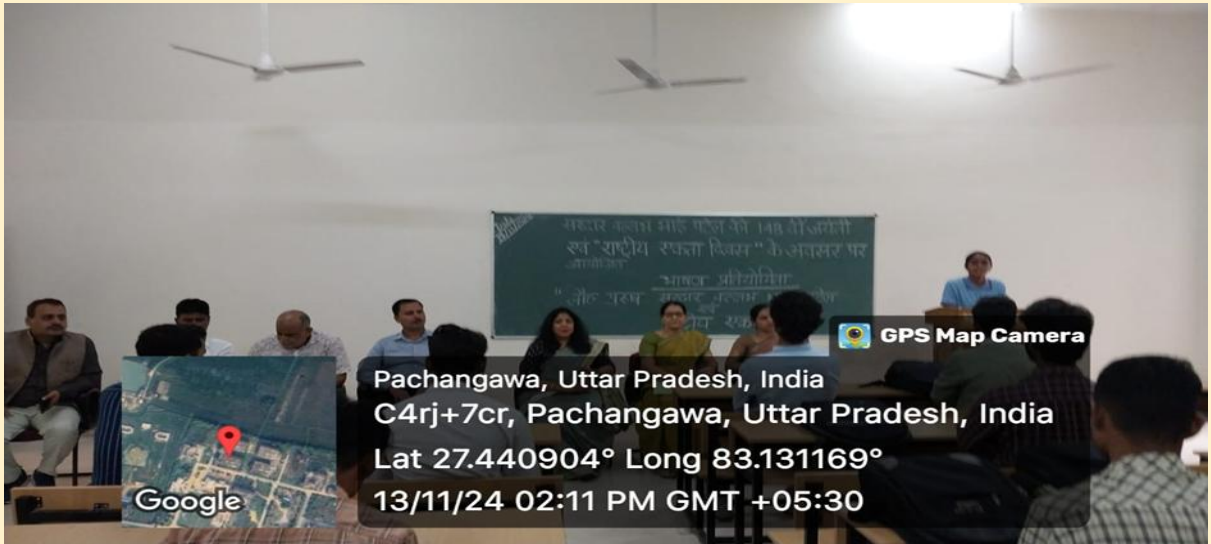
विश्वविद्यालय स्तर पर तीन चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

प्रथम चरण - विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों का चयन।

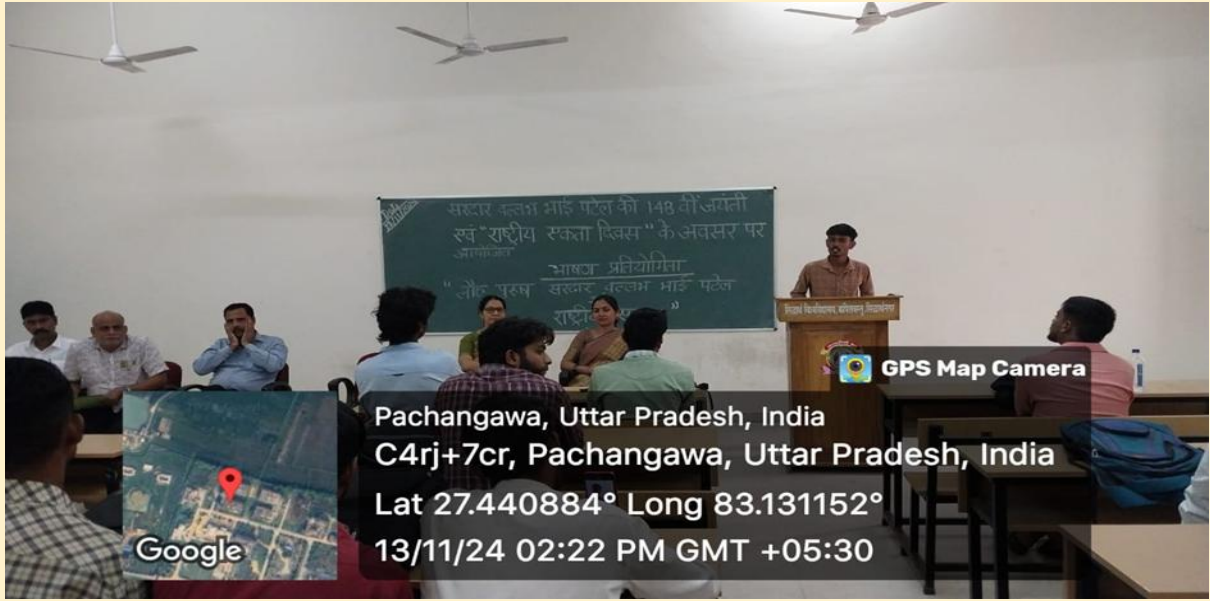
द्वितीय चरण - विश्वविद्यालय स्तर पर समस्त महाविद्यालयों से आये प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के मध्य प्रतियोगिताएं एवं प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों का चयन।

तृतीय चरण - समूह वार प्रतियोगिताएं जो विभिन्न विश्वविद्यालयों के समूह के मध्य संपन्न कराई गयी।

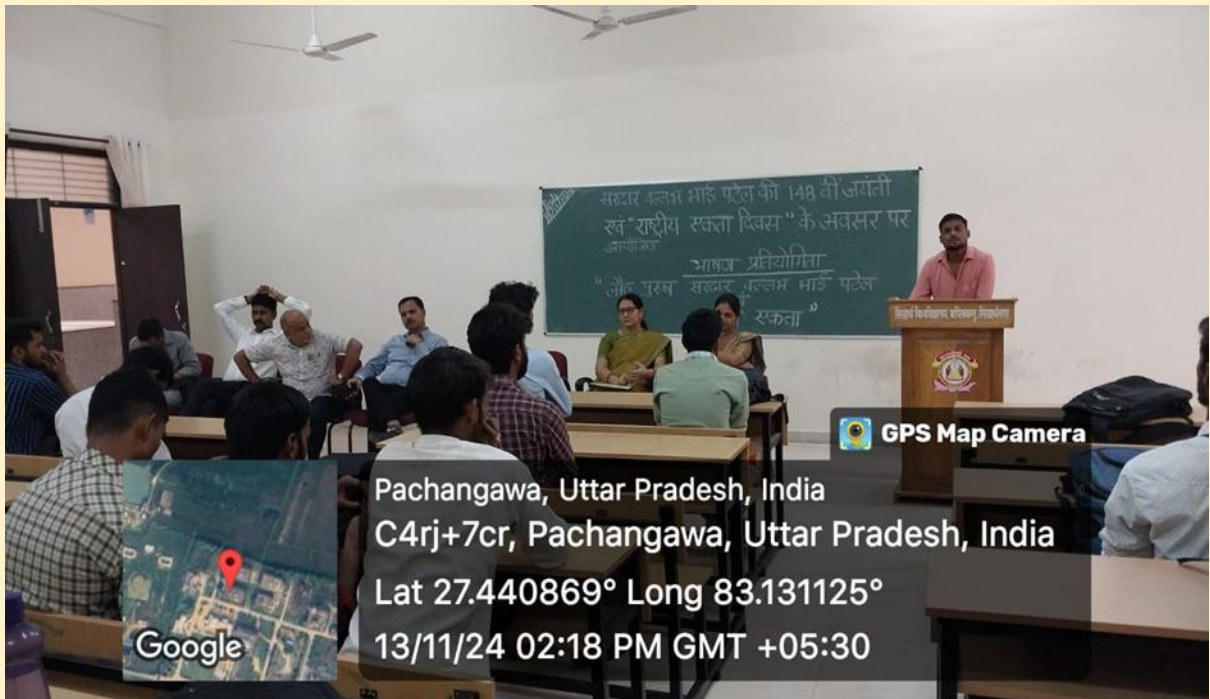
प्रथम चरण -सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में दिनांक 31-10-2024 से गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण महाविद्यालय स्तर पर कराया गया, जिसमे छात्रों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।



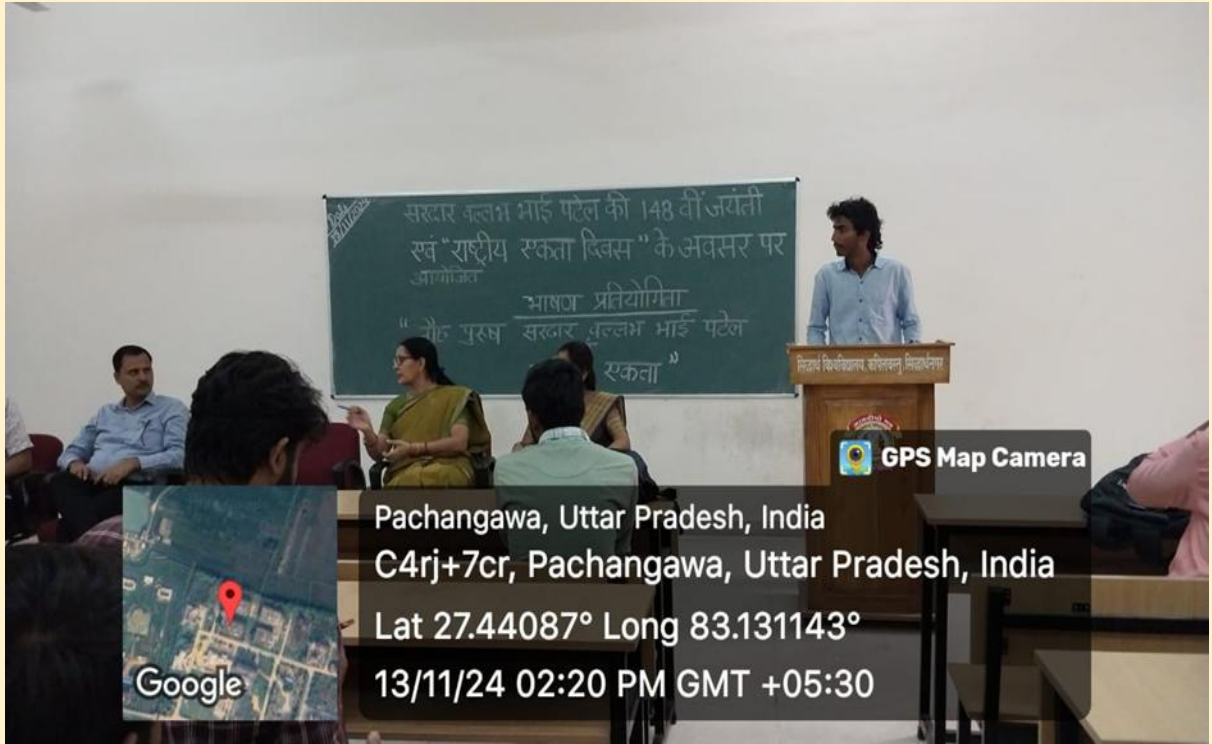
प्रथम चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



प्रथम चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



प्रथम चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



प्रथम चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

द्वितीय चरण (प्रथम स्तर) - अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता दिनांक **20-11-2024** को सिद्धार्थ विश्विद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति सभागार में आयोजित की गयी, जिसमे विभिन्न महाविद्यालयों के प्रथम आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा इनमें से प्रथम एवं द्वितीय ए प्रतिभागियों को अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएं के लिए आगे भेजा गया।

कविता लेखन से भाषा की समझ और उपयोग में सुधार होता है। इसमें छात्रों को शब्दों का सही चयन, अलंकारों और काव्य शास्त्रों के प्रयोग के बारे में सीखने का मौका मिलता है। इसके माध्यम से वे अपनी लेखन क्षमता को सशक्त बना सकते हैं।

कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्रों के नाम हैं -

अतुल मिश्रा ,बी एड प्रथम वर्ष - MLK स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर

पल्लवी वर्मा M.A प्रथम वर्ष , जवाहरलाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महाराजगंज

तम्मना सैयद , बी ऐ द्वितीय वर्ष लालबहादुर शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
आननदनगर

कुमारी शुभी लक्ष्मी बी ऐ तृतीय वर्ष - शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शोहरतगढ़

शशि कला यादव डी ल एड - परमेश्वर सिंह स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय , मथुरानगर
आनंदनगर

भाषण प्रतियोगिता हमें अपनी बात प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदान करती है। जब हम मंच पर होते हैं, तो हमें न केवल अपने विचारों को स्पष्ट और सरल भाषा में प्रस्तुत करना होता है, बल्कि हमें यह भी ध्यान रखना होता है कि हमारे शब्द श्रोताओं पर प्रभाव डालें। इससे न केवल हमारी संवाद क्षमता में सुधार होता है, बल्कि हम अपने विचारों को संगठित तरीके से प्रस्तुत करना भी सीखते हैं।

भाषण प्रतियोगिता के प्रतिभागी थे

शिखा पांडेय - महारानी लालकुवारि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर

रितेश कुमार, जवाहरलाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय महराजगंज

अंशु चौरसिया, लाल बहादुर शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय आनंदनगर

मनीष मिश्रा , शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शोहरतगढ़

शोभा , मिश्र बंधू महाविद्यालय बेलोही लालपुर

राधा शुक्ल सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

आयुषी श्रीवास्तव सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

देश भक्ति गीत एकल - देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का सबसे बड़ा उद्देश्य देशप्रेम और राष्ट्रियता की भावना को जागृत करना है। यह प्रतियोगिता छात्रों और प्रतिभागियों में अपने देश के प्रति गहरी भावनाओं और कर्तव्यबोध को प्रोत्साहित करती है।

सौम्य पांडेय , महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर

सलोनी प्रजापति ज ला ने स्नातकोत्तर महाविद्यालय महाराजगंज

विशाल कुमार गौड़ लाल बहादुर शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय आनंदनगर

कुमारी कल्पना यादव , शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़

अंकिता यादव मिश्रबन्धु महाविद्यालय बैलोही लालपुर

कात्यायिनी उपाध्याय , परमेश्वर सिंह स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय मथुरानगर आनंदनगर

रत्नेश मिश्रा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

एक पात्रीय नाट्य प्रतियोगिता- एक-पात्रीय नाटक प्रतियोगिता (One-Act Play Competition) का आयोजन आमतौर पर विद्यार्थियों और कलाकारों की अभिनय कला को प्रोत्साहित करने, उन्हें मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने और संवाद कौशल में सुधार करने के उद्देश्य से किया जाता है।

कीर्ति उपाध्याय - महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर

महाजन कसौधन - सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

निबंध प्रतियोगिता निबंध लेखन से विद्यार्थियों को अपने विचारों और दृष्टिकोण को स्पष्ट और संगठित रूप में प्रस्तुत करने का अभ्यास मिलता है। यह उन्हें अपने विचारों को तार्किक और व्यवस्थित ढंग से व्यक्त करने की क्षमता प्रदान करता है। निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेने से लेखन कौशल में सुधार होता है। यह छात्रों को शब्दों का सही चयन, वाक्य संरचना, और अनुच्छेदों के बीच सामंजस्य बनाए रखने की कला सिखाती है। इससे उनके लेखन में सुधार होता है और वे अधिक प्रभावी ढंग से अपने विचारों को व्यक्त कर पाते हैं।

सौम्य पांडेय, महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर

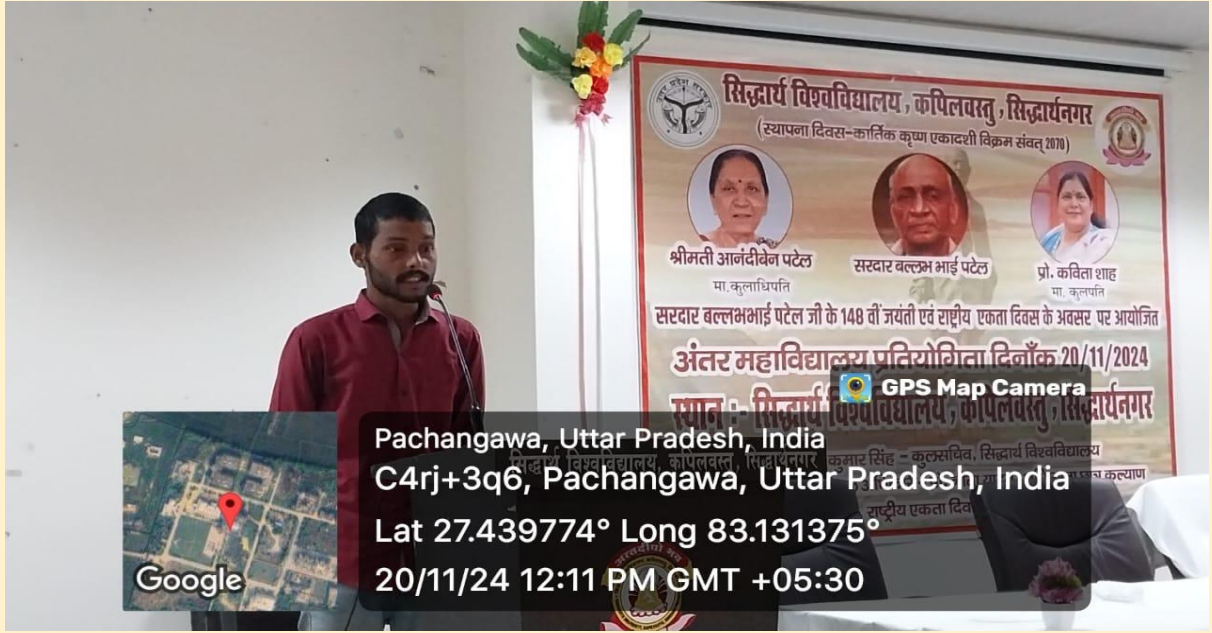
नाजमीन खातून जवाहरलाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय महाराजगंज

अंशु चौरसिया , लालबहादुर शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय आनंदनगर

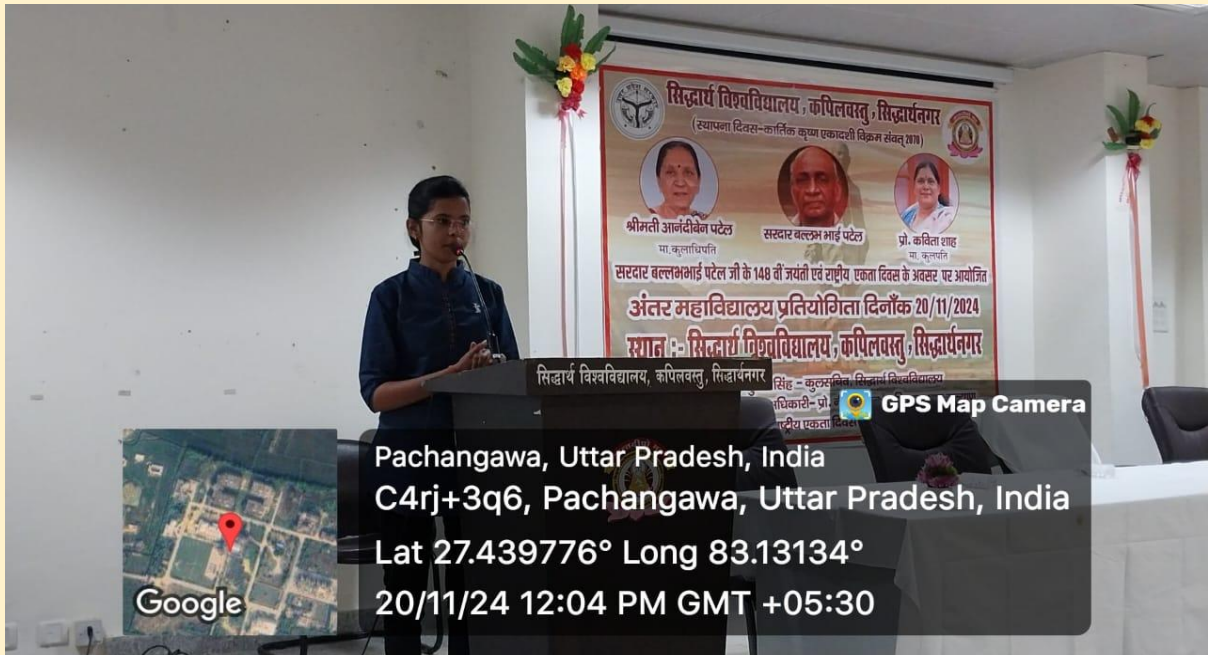
कुमारी श्रेया गौतम शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़

अनामिका गुप्ता परमेश्वर सिंह मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मथुरानगर आनंदनगर

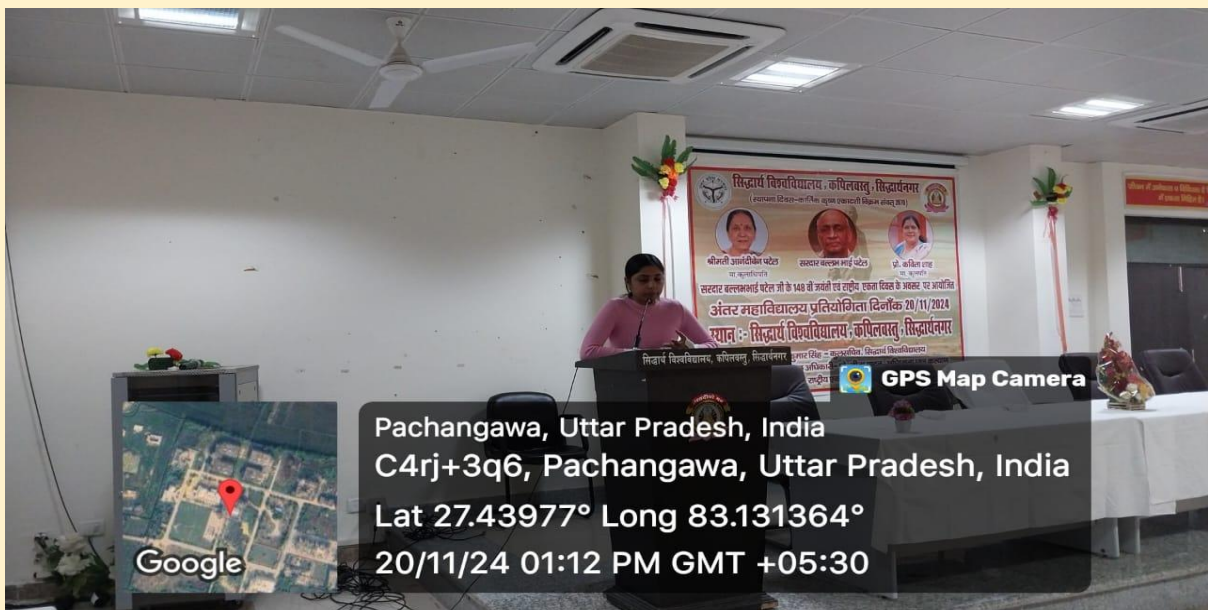
दीक्षा पांडेय सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु

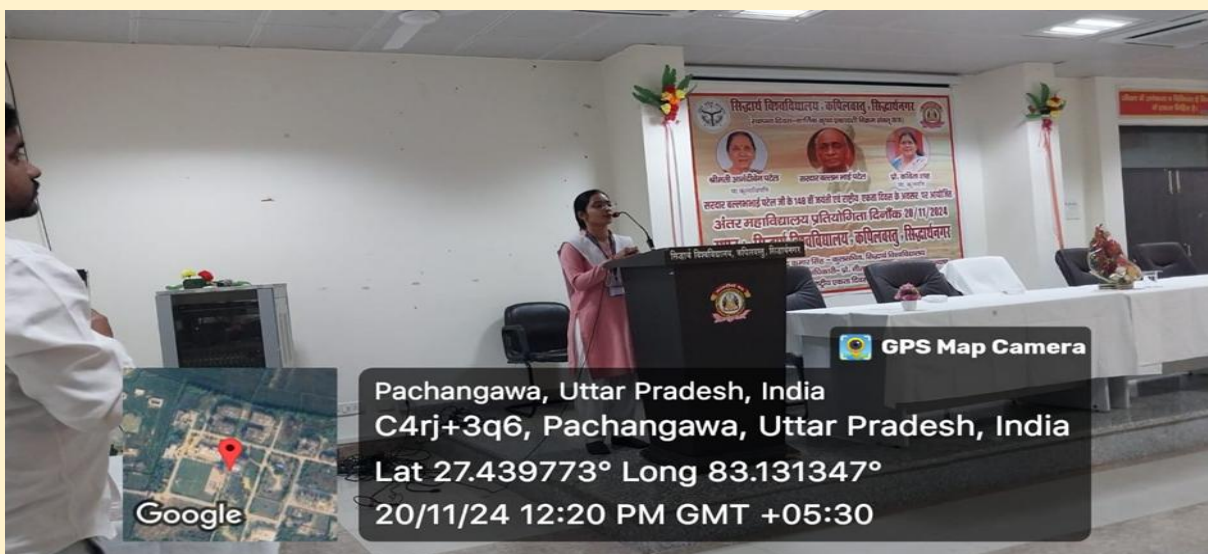


द्वितीय चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



द्वितीय चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र





द्वितीय चरण भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



छात्रों को सम्बोधित करती माननीय कुलपति प्रो कविता शाह



प्रतभागियों का उत्साह वर्धन करते शिक्षक व छात्र



द्वितीय चरण प्रतिभागियों के साथ समूह चित्र

विजेता छात्र जो द्वितीय स्तर के लिए चुने गए -

1. शिखा पांडेय - महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर - भाषण प्रतियोगिता - प्रथम
2. सौम्य पांडेय - महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर देश भक्ति गीत प्रतियोगिता - प्रथम
3. कीर्ति उपाध्याय - महारानी लालकुवरि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलरामपुर एक पात्रिय नाट्य प्रतियोगिता - प्रथम
4. तमन्ना सैय्यद - लाल बहदुर शास्त्री स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय आनंदनगर - कविता लेखन
5. दीक्षा पांडेय - सिद्धार्थ विश्वविद्यालय - निबंध लेखन - प्रथम

तृतीय चरण (द्वितीय स्तर) अंतर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएं-

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की १४८ वी जयंती पर "राष्ट्रीय एकता दिवस " के अवसर पर समूह तीन से सम्बद्ध विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाली द्वितीय स्तर की प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को देश भक्ति एकल गीत प्रतियोगिता करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता की नियमावली नोडल अधिकारी एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव द्वारा निम्न प्रकार से तय की गयी थी -

1. विश्वविद्यालय में उपस्थित होने का समय - १२:३० बजे

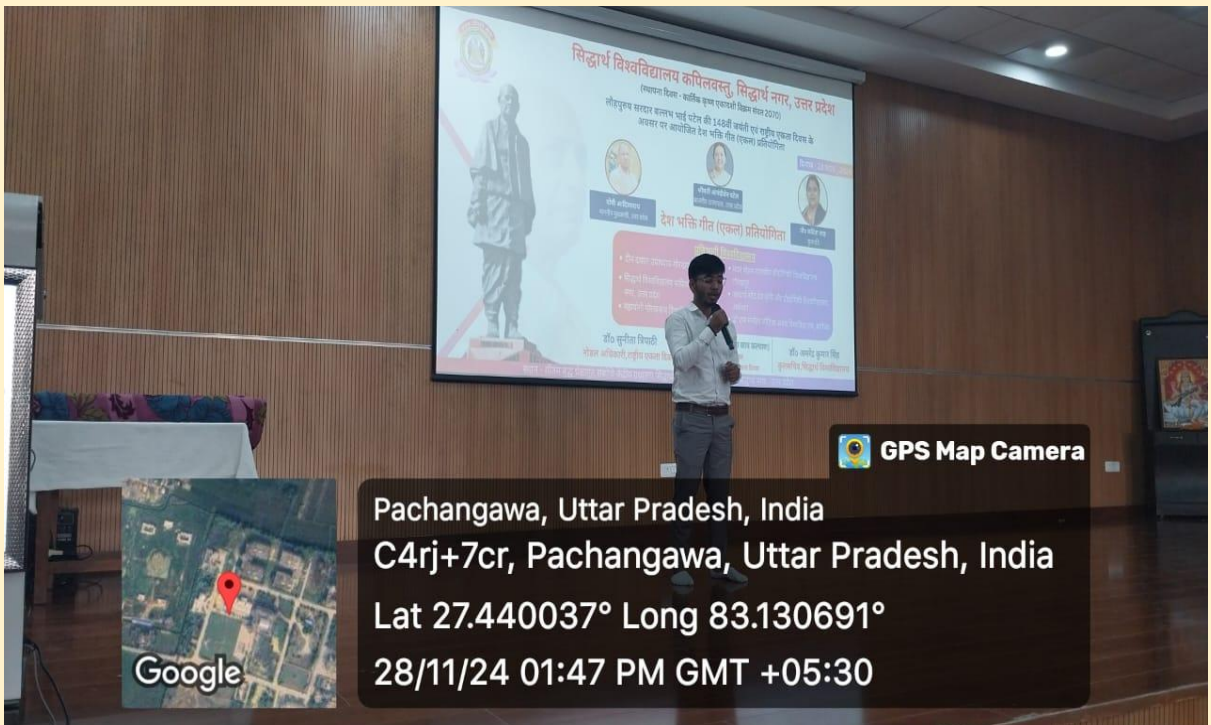
2. छात्रों को गायन के लिए वादक सहयोगी लाने की अनुमति होगी
3. सभी सहभागी शिक्षक अपने प्रतियोगियों के साथ कृपया ३० मिनट पहले उपस्थित होने का कष्ट करें।
4. गायन का समय ५ मिनट निर्धारित है।
5. छात्र अपने साथ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त पहचान पत्र लेकर उपस्थित हों।

समूह -३ के विश्वविद्यालय थे - दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय टेक्निकल विश्वविद्यालय गोरखपुर , आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या ,आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु.

प्रतियोगिता के आरम्भ में माननीय कुलपति प्रो कविता शाह ने सभी का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ .

प्रतियोगिता के आरम्भ में सभी छात्रों को परचियों द्वारा एक नाम आवंटित किया गया जिससे किसी के साथ भेदभाव की समस्या ना आये। छात्रों को भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद , राम प्रसाद बिस्मिल, वीरांगना लक्ष्मी बाई, अहिल्याबाई होल्कर एवं सुभाष चंद्र बोस नाम दिए गए।

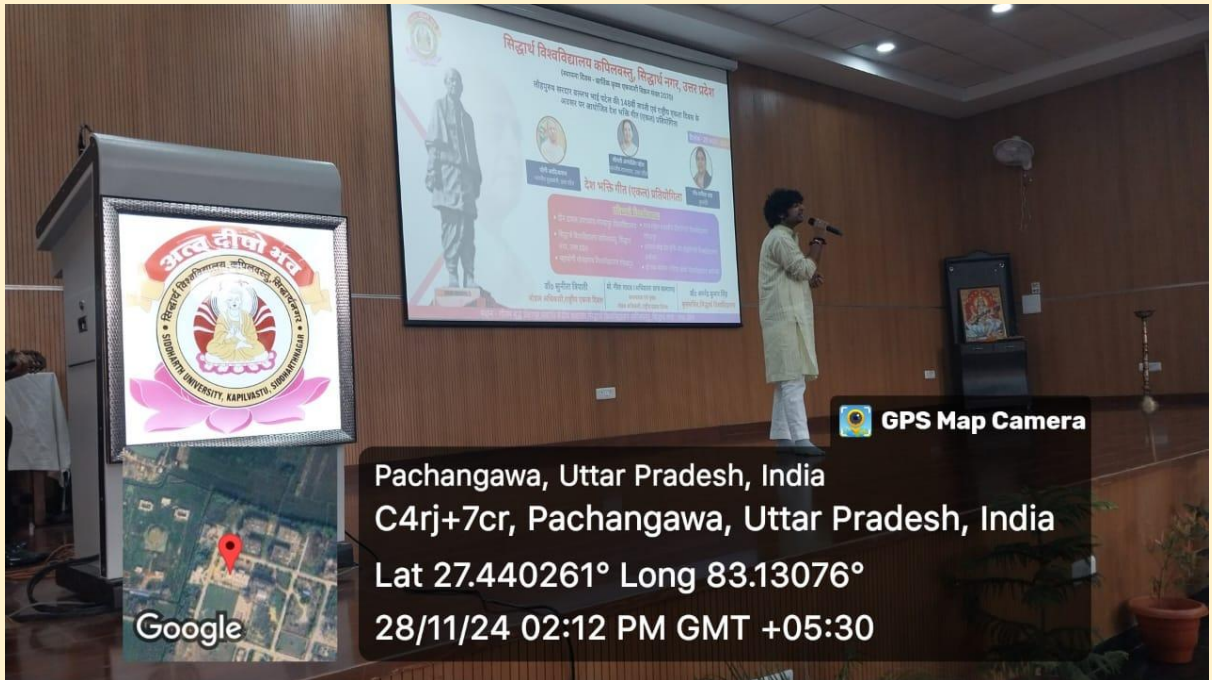
इस प्रतियोगिता में सौम्य पांडेय सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से प्रथम स्थान पर रहे, चन्द्रमा मौर्या, मदन मोहन मालवीय प्रद्योगिकी विश्वविद्यालय से द्वितीय, एवं भव्या, आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय ,अयोध्या तृतीय स्थान पर रहे।



द्वितीय चरण गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



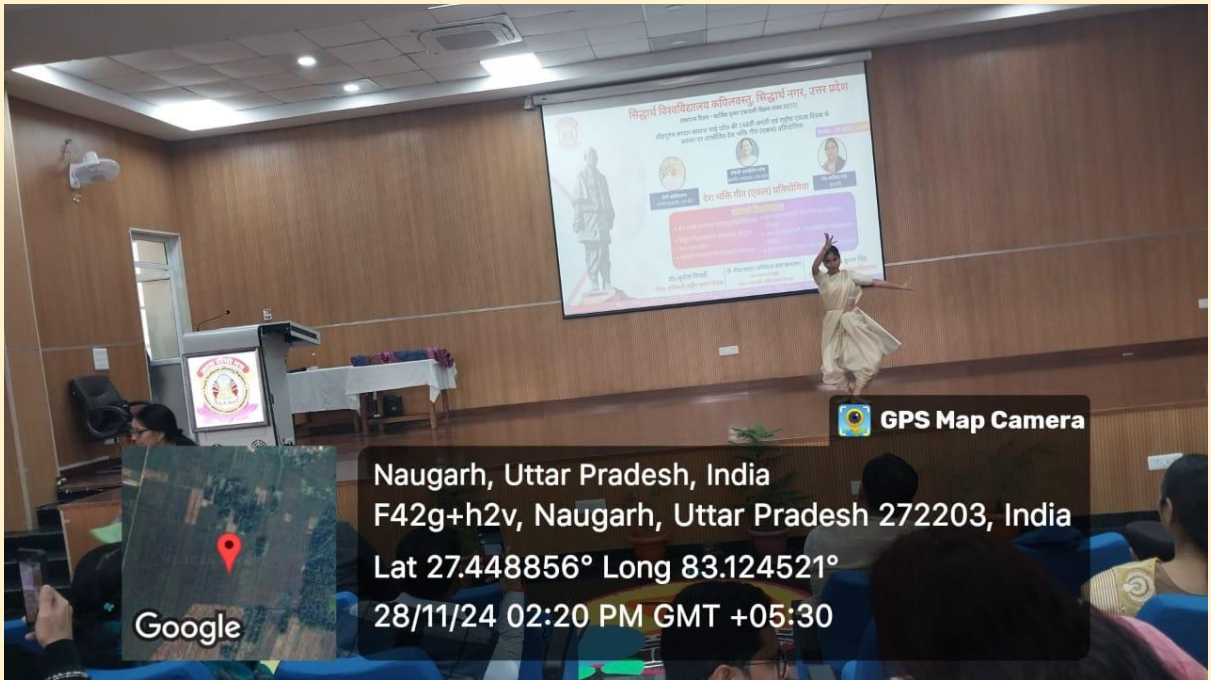
उपस्थित छात्र छात्राएं एवं शिक्षक बंधू



द्वितीय चरण गीत गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र



उपस्थित छात्र छात्राएं एवं शिक्षक बंधू



एकल नृत्य प्रस्तुति

अंतिम चरण की प्रतियोगिताएं माननीय कुलाधिपति महोदय के समक्ष राजभवन में आयोजित हुई जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालय समूह के छात्रों द्वारा प्रस्तुति की गयी। राजभवन में छात्रों को कविता लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान पर समूह तीन के विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए।



छात्रा को पुरस्कृत करतीं माननीया कुलाधिपति महोदय श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी



माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा प्रशस्ति पत्र प्राप्त करती छात्रा

सरदार पटेल ने रखी थी मजबूत राष्ट्र की नींव

सिद्धार्थनगर, निज संवाददाता। सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के युगपुरुष है। वल्लभभाई पटेल ने जिस समर्पण भाव एवं दूरदृष्टा के साथ भारत को एकीकृत कर हमेशा के लिए एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखी, वह आज भी अक्षुण्ण है। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने बुधवार को विवि के प्रशासनिक भवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती एवं अंतर महाविद्यालयी विविध प्रतियोगिताओं के अवसर पर कही।

इस मौके पर देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में एमएलके पीजी कॉलेज के सौम्या पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज की कात्यानी उपाध्याय द्वितीय स्थान व जेएलएनएस पीजी कॉलेज की सलोनी प्रजापति ने तृतीय स्थान



सिद्धार्थ विवि में बुधवार को सरदार पटेल की 148वीं जयंती आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती कुलपति प्रो. कविता शाह।

प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर की शिखा पांडेय प्रथम, एलबीएस पीजी कॉलेज आनंदनगर की अंशु चौरसिया ने द्वितीय व सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की राधा शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकपत्रीय नाट्य प्रतियोगिता में एमएलके पीजी कॉलेज की कीर्ति उपाध्याय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कविता लेखन में तमन्ना सैयद एलबीएस स्मारक पीजी कॉलेज आनंदनगर प्रथम स्थान पर रहीं। एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर के अनुल मिश्र द्वितीय एवं शिवपति स्नातकोत्तर कॉलेज, शोहरतगढ़ से कुमारी शुभ लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध लेखन प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की दीक्षा पांडेय ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया। कुमारी श्रेया गौतम, शिवपति स्नातकोत्तर पीजी कॉलेज द्वितीय व अनामिका गुप्ता परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर डॉ. सुनीता त्रिपाठी, प्रो. नीता यादव, प्रो. सौरभ श्रीवास्तव, प्रो. प्रकृति राय, प्रो. सुनील श्रीवास्तव, डॉ. आभा द्विवेदी आदि मौजूद रहीं।

- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में पटेल की 148वीं जयंती पर हुआ कार्यक्रम
- अंतर महाविद्यालयीय विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्र हुए पुरस्कृत

गोरखपुर/बस्ती मंडल

संदेश वाहक 09

148वीं जयंती : सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के युगपुरुष है : कुलपति

संदेश वाहक न्यूज

सिद्धार्थनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को 148 वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकादश दिवस कार्यक्रम को शुंखला के अंतर्गत बुधवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु प्रशासनिक भवन में अंतर महाविद्यालयी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के युगपुरुष है। वल्लभभाई पटेल ने जिस समर्पण भाव एवं दूरदृष्टा के साथ भारत को एकीकृत

- लौह पुरुष की सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में मनाई गई जयंती

कर हमेशा के लिए एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखी। जो आज भी अक्षुण्ण है। सरदार वल्लभ भाई पटेल का भारत के प्रति अभूतपूर्व निष्ठा के लिए प्रत्येक भारतीय को अप्रतिम गौरव की अनुभूति होती है। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम के अनुक्रम में विश्वविद्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन दर्शन पर विविध कार्यक्रम आयोजित किया गए। निश्चित रूप से इस प्रकार के कार्यक्रम राष्ट्रीय एकादश दिवस



कार्यक्रम को संबोधित करती कुलपति कविता शाह।

सद्भावना एवं देश के विकास में महावपुर्ण योगदान करने वाले स्तंभित होंगे। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के मन मस्तिष्क में राष्ट्र प्रेम राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना और राष्ट्र

को मजबूत बनाने में इस प्रकार के कार्यक्रम की विशेष महत्ता है। कुलपति ने आज के विविध कार्यक्रमों में उपस्थित सिद्धार्थ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध

महाविद्यालय के प्रतिभागियों को और अच्छी तैयारी के साथ अभ्यास करने तथा प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने के विभिन्न टिप्स एवं सुझाव दिया। कुलपति ने कहा कि प्रथम चरण के इस प्रतियोगिता में जो संबद्ध महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित हुआ है।

इस आयोजन में कुल 5 प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं जिनमें विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में एमएलके पीजी कॉलेज के सौम्या पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त

किया, परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज की कात्यानी उपाध्याय द्वितीय स्थान पर रहीं तथा जेएलएनएस पीजी कॉलेज की सलोनी प्रजापति तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रो. सी श्रीवास्तव, अधिष्ठाता बालिग्य संकाय प्रोफेसर प्रकृति राय, अधिष्ठाता विद्व संकाय तथा प्रोफेसर सुनील श्रीवास्तव ने निर्णायक मंडल के दायित्वों को निर्वहन किया। कार्यक्रम का संघाल संस्कृत विभाग की सहायक आच डॉक्टर आभा द्विवेदी ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. कविता शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शारी त्त वायंम देत्त

बिरसा मुंडा जयंती- 14 November 2024

बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को मनाई जाती है। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और मुंडा जनजाति के नेता थे। उनका जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड राज्य के रांची जिले के उलिहातू नामक स्थान पर हुआ था।

बिरसा मुंडा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया और ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया। उनका नेतृत्व आदिवासी समाज में जागरूकता फैलाने और उन्हें उत्पीड़न के खिलाफ संगठित करने के लिए प्रेरणादायक था।

बिरसा मुंडा के योगदान:

1. **उलगुलान (1900):** बिरसा मुंडा के नेतृत्व में 1900 में आदिवासियों ने ब्रिटिश शासन और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया, जिसे उलगुलान के नाम से जाना जाता है।
2. **संघर्ष और समाज सुधार:** बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज में फैली कुरीतियों जैसे कि बाल विवाह, सती प्रथा आदि के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में सुधार की दिशा में काम किया।
3. **धार्मिक जागरूकता:** उन्होंने आदिवासी समाज में धार्मिक जागरूकता फैलाने के लिए प्रयास किया और अपने आंदोलन को 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के रूप में प्रस्तुत किया।

उनकी जयंती के दिन विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि समारोह, सम्मान कार्यक्रम, और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन बिरसा मुंडा के संघर्षों और बलिदान को याद करने का दिन है।

उनके आदर्श और संघर्ष आज भी भारतीय समाज और खासकर आदिवासी समुदाय के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं।



बिरसा मुंडा जयंती पर अपने विचार प्रस्तुत करती छात्रा शिखा



बिरसा मुंडा की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान



व्याख्यान सुनते छात्र छात्राएं



बिरसा मुंडा जी पर वक्तव्य देते छात्र

संविधान दिवस (Constitution Day) तिथि: 26 नवंबर 2025

संविधान दिवस भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिन भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। संविधान दिवस का उद्देश्य भारतीय संविधान के महत्व को लोगों में जागरूक करना और इसे समझने के लिए प्रेरित करना है। इसे 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने की शुरुआत 2015 में की गई, जब भारत सरकार ने इस दिन को संविधान के प्रति सम्मान और उसकी श्रेष्ठता को मान्यता देने के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

संविधान दिवस का इतिहास:

भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था, लेकिन यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। भारत में संविधान को स्वीकार करने के दिन, यानी 26 नवंबर, को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संविधान सभा के सदस्यों ने भारतीय संविधान को तैयार करने के लिए कई सालों तक कठिन परिश्रम किया। इस प्रक्रिया की अध्यक्षता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने की, जिन्हें भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माता के रूप में सम्मानित किया जाता है। संविधान सभा ने भारतीय समाज के लिए एक सशक्त, लोकतांत्रिक, और न्यायपूर्ण संविधान तैयार किया, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी दी गई।

संविधान दिवस के उद्देश्य:

1. संविधान के महत्व को समझना:
संविधान दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान के महत्व को समझना और उसे सम्मानित करना है। यह दिन भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका, और शासन व्यवस्था के आधार स्तंभों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है।
2. संविधान को बनाए रखने और उसका पालन करने का संकल्प:
संविधान दिवस का आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि प्रत्येक नागरिक और संस्थान भारतीय संविधान का पालन करे और संविधान में निहित मूल अधिकारों और कर्तव्यों को समझे।

3. संविधान के बारे में जागरूकता फैलाना:
इस दिन स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों और अन्य संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें संविधान के बारे में जानकारी दी जाती है और इसे लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जाती है।
4. संविधान सभा के योगदान को याद करना:
यह दिन संविधान सभा के सदस्यों की मेहनत और योगदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने भारत के संविधान को तैयार किया। यह दिन उन नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी मौका है, जिन्होंने भारतीय समाज के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय की नींव रखी।

संविधान दिवस के प्रमुख कार्यक्रम:

संविधान की प्रस्तावना का वाचन:

इस दिन आमतौर पर स्कूलों, कॉलेजों और अन्य सरकारी संस्थानों में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया जाता है। यह संविधान के मुख्य उद्देश्यों और सिद्धांतों को दोहराने का एक तरीका होता है।

सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम:

इस दिन पर संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर आधारित सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, और चर्चा सत्र जैसी गतिविधियाँ होती हैं।

संविधान पर चर्चा:

विभिन्न स्थानों पर संविधान पर चर्चाएं और संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं, जिसमें संविधान के विभिन्न पहलुओं, अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर चर्चा की जाती है।

संविधान दिवस की महत्वता:

1. लोकतंत्र की नींव:
भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की नींव है। यह सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय मिले, चाहे

उनकी जाति, धर्म, लिंग या भाषा कुछ भी हो। संविधान दिवस हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं को सम्मानित करने का अवसर है।

2. समानता और न्याय की गारंटी:

भारतीय संविधान न केवल देश के नागरिकों को अधिकार प्रदान करता है, बल्कि यह समानता और सामाजिक न्याय की भी गारंटी देता है। संविधान का पालन करना हमारे समाज को अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी बनाता है।

3. संविधान की स्थिरता:

संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि संविधान को बनाए रखना और उसका पालन करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि हमारे देश का लोकतंत्र मजबूत बना रहे और हर नागरिक को समान अवसर मिल सके।

संविधान दिवस भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संविधान हमारी सामाजिक, राजनीतिक और कानूनी व्यवस्था का मूल है, और हमें इसे बनाए रखने और इसके सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए। संविधान दिवस की मनाई जाने वाली गतिविधियाँ, शिक्षाएँ और कार्यक्रम हमारे समाज को संविधान के प्रति जागरूक और प्रतिबद्ध बनाते हैं।



माननीय न्यायाधीश श्री अनिरुद्ध सिंह जी का स्वागत करती माननीय कुलपति प्रो कविता शाह



संविधान दिवस पर उपस्थित शिक्षक, छात्र, एवं कर्मचारी



छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करतीं माननीय कुलपति प्रो कविता शाह एवं माननीय न्यायधीश महोदय



संविधान उद्देशिका वाचन



संविधान में राष्ट्र हित सर्वोपरि : अनिरुद्ध सिंह

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर हुए विविध आयोजन, पूर्व न्यायमूर्ति ने रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

कपिलवस्तु। भारतीय संविधान निर्माताओं के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा संविधान में भारत के विकास और उन्नति के लिए आवश्यक बातों को सम्मिलित किया गया है। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपने निर्णयों से संविधान को और भी सुदृढ़ बनाया है। संविधान व्यक्तिगत और सामाजिक हितों की अपेक्षा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानता है।

यह बातें मंगलवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति अनिरुद्ध सिंह ने कहीं। वह सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय विविध कार्यक्रम को मुख्य अर्धिति संबोधित कर रहे थे।

कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज के संचालन के लिए संविधान अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा संविधान नागरिकों को सशक्त बनाता है और जागरूक नागरिक संविधान को मजबूत बनाते हैं। भारतीय संविधान दुनिया के विभिन्न देशों की सर्वोत्तम



छात्रा को प्रशस्ति पत्र देते पूर्व न्यायाधीश अनिरुद्ध सिंह। स्रोत-द्विजय

प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें पेंटिंग, पोस्टर, रंगोली, भाषण, और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं तथा मेरा संविधान मेरा प्रयास कार्यक्रम प्रमुख रहा। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, और विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

व्यवस्थाओं को समाहित करते हुए संपूर्ण देश को संगठित करने और प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में सक्षम है।

मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो. ऋषि राम महानंद ने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान की सबसे बड़ी

ताकत विधि का शासन है। यह राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देता है।

स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व की अवधारणा भारतीय संविधान की विशेष शक्ति है। उन्होंने समान नागरिक संहिता की प्रासंगिकता पर भी चर्चा किया भारतीय संविधान



संविधान दिवस पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने पर रंगोली के साथ मौजूद ग्रुप बी की छात्र-छात्राएं। स्रोत विश्वविद्यालय

की प्रस्तावना का वाचन भी किया गया।

इस अवसर पर मंच पर प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा, प्रोफेसर सौरव और प्रोफेसर प्रकृति राय उपस्थित

रहे। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नीता यादव ने किया। संचालन डॉक्टर रक्षा ने किया जबकि विषय प्रस्तावना कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अरविंद कुमार रावत ने दी।

समाज चलाने को संविधान महत्वपूर्ण दस्तावेज

आयोजन

सिद्धार्थनगर, वरिष्ठ संवाददाता। किसी भी सभ्य समाज के संचालन के लिए संविधान अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। संविधान नागरिकों को सशक्त बनाता है और जागरूक नागरिक संविधान को मजबूत बनाते हैं। ये बातें कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में संविधान दिवस पर मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में कहीं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया के विभिन्न देशों की सर्वोत्तम व्यवस्थाओं को समाहित करते हुए संपूर्ण देश को संगठित करने और प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में सक्षम है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि संविधान में भारत के विकास



सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में मंगलवार को संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनिरुद्ध सिंह ने अपने विचार रखे।

और उन्नति के लिए जरूरी बातों को सम्मिलित किया गया है। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपने निर्णयों से संविधान को और भी सुदृढ़ बनाया है। संविधान व्यक्तिगत और सामाजिक हितों की अपेक्षा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि मानता है। मुख्य वक्ता

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रोफेसर ऋषि राम महानंद ने अपने कहा कि संविधान की सबसे बड़ी ताकत विधि का शासन है। यह राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र को

अफसरों-जनप्रतिनिधियों ने कलक्ट्रेट में ली शपथ

सिद्धार्थनगर। संविधान दिवस पर मंगलवार को लोक भवन लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्तव्य संविधान शपथ पढ़ा। कलक्ट्रेट में लाइव प्रसारण के दौरान शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा, डीएम डॉ. राजा गणपति आर, सीडीओ जयेन्द्र कुमार, एडीएम उमाशंकर सहित अन्य अधिकारियों ने शपथ ली। सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश कुमार मौर्य, डीडीओ गोपाल प्रसाद आदि रहे।

बढ़ावा देता है। स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व की अवधारणा भारतीय संविधान की विशेष शक्ति है। समान नागरिक संहिता की प्रासंगिकता पर भी चर्चा की। प्रो. हरीश कुमार शर्मा, प्रो. प्रकृति राय, प्रो. नीता यादव, डॉ. रक्षा, डॉ. अरविंद कुमार रावत आदि मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण कर जाना

राष्ट्रव्यापी क्षय उन्मूलन कार्यक्रम

राष्ट्रव्यापी क्षय उन्मूलन कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य **क्षय (टीबी)** के मामलों में कमी लाना और भारत को **2025 तक क्षय मुक्त देश** बनाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न योजनाएं और अभियान चलाए जाते हैं ताकि क्षय (टीबी) के बारे में जागरूकता फैलाने, इसके इलाज की पहुंच को बढ़ाने और इस पर प्रभावी नियंत्रण प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम का उद्देश्य:

1. क्षय का उन्मूलन:

इसका मुख्य उद्देश्य भारत को 2025 तक टीबी से मुक्त करना है। इसके लिए सरकार ने कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की है, जिससे टीबी के रोगियों का जल्दी उपचार किया जा सके और इसके प्रसार को रोका जा सके।

2. जागरूकता फैलाना:

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य जनता में टीबी के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस अभियान के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी जाती है कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है, और इसके प्रारंभिक लक्षणों को पहचानकर उपचार शुरू करना कितना महत्वपूर्ण है।

3. टीबी का सही समय पर उपचार:

सरकार यह सुनिश्चित करती है कि सभी टीबी के रोगियों को मुफ्त उपचार मिले। इसके लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर इलाज की सुविधा प्रदान की जाती है और मरीजों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं।

4. टीबी के नियंत्रण के लिए बेहतर निगरानी:

टीबी के प्रसार को रोकने के लिए बेहतर निगरानी व्यवस्था और डेटा संग्रहण प्रणाली विकसित की गई है। इसके द्वारा टीबी के मरीजों की पहचान और उनका समय पर उपचार सुनिश्चित किया जाता है।

5. टीबी को लेकर नए उपायों को लागू करना:

टीबी के इलाज में नई तकनीकों और दवाओं का उपयोग करने के

साथ-साथ, इसे समाप्त करने के लिए नए और प्रभावी उपायों को लागू करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है।

6. **प्रारंभिक पहचान और उपचार:**

टीबी का समय रहते निदान और उपचार करने के लिए विभिन्न जांच विधियों और स्क्रीनिंग कार्यक्रमों को लागू किया जाता है। इसके तहत विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में टीबी के लक्षणों की पहचान की जाती है।

मुख्य पहलें और योजनाएं:

1. **राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (NTP):**

यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा टीबी के उन्मूलन के लिए 1962 से संचालित किया जा रहा है। इसके तहत टीबी के उपचार, निदान और रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जाता है।

2. **DOTS (Directly Observed Treatment, Short-course):**

यह एक अंतर्राष्ट्रीय मानक उपचार पद्धति है, जिसका उद्देश्य टीबी के रोगियों को दवाइयां नियमित रूप से और सही समय पर प्रदान करना है। यह सुनिश्चित करता है कि टीबी का उपचार सही तरीके से हो और संक्रमण के प्रसार को रोका जाए।

3. **सशक्त टीबी कार्यकर्ता (TB-HV):**

सरकार ने गांवों और क्षेत्रों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया है जो टीबी के मामलों की पहचान करते हैं, रोगियों को उपचार के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उनके उपचार की निगरानी करते हैं।

4. **टीबी मुक्त भारत अभियान:**

यह अभियान भारत सरकार द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य देशभर में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके इलाज के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

5. **टीबी के लिए वित्तीय सहायता और दवाइयों की उपलब्धता:**

भारत सरकार ने टीबी के उपचार के लिए फ्री दवाइयां उपलब्ध कराई हैं, और इसके इलाज की समग्र प्रणाली को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए प्रयास किए हैं।

6. **टीबी हेल्पलाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म:**

सरकार ने 24/7 टीबी हेल्पलाइन शुरू की है ताकि मरीज और उनके

परिवार टीबी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें और इलाज की प्रक्रिया में सहायता ले सकें। इसके साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए इलाज की निगरानी की जाती है।

राष्ट्रव्यापी क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के लाभ:

1. टीबी के मरीजों का इलाज:

इस कार्यक्रम के माध्यम से हजारों की संख्या में टीबी के मरीजों को मुफ्त इलाज मिल रहा है और इससे संक्रमण का प्रसार रोका जा रहा है।

2. जागरूकता में वृद्धि:

टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने से लोग जल्दी टीबी के लक्षण पहचान कर इलाज के लिए आगे आते हैं, जिससे बीमारी का फैलाव कम होता है।

3. सामाजिक और आर्थिक सुधार:

जब टीबी के मामलों में कमी आती है, तो समाज में आर्थिक और सामाजिक सुधार होता है, क्योंकि इससे कामकाजी लोगों की उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

4. स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार:

इस कार्यक्रम के द्वारा भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार हो रहा है, और टीबी जैसे गंभीर रोगों का सही समय पर निदान और उपचार किया जा रहा है।

राष्ट्रव्यापी क्षय उन्मूलन कार्यक्रम भारत में टीबी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यक्रम न केवल टीबी के इलाज को सरल और सुलभ बना रहा है, बल्कि इसे समाप्त करने के लिए एक प्रभावी रणनीति भी प्रदान करता है। इस पहल के माध्यम से भारत को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य है, जिससे स्वस्थ और खुशहाल समाज की स्थापना हो सके। महिला अध्ययन केंद्र , NSS , NCC के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम विश्विद्यालय स्तर पर चलाये गए एवं चलाये जा रहे हैं।



सर्वाइकल कैंसर सम्बन्धी जानकारी देते मुख्य चिकित्सा अधिकारी ,
सिद्धार्थनगर

राष्ट्रीय युवा दिवस : 12-01-2025

राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन 1985 में भारत सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर शुरू किया गया था। स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने हमेशा युवाओं को अपनी शक्ति, आत्मविश्वास और उद्देश्य को पहचानने की सलाह दी। उनका मानना था कि देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

स्वामी विवेकानंद का योगदान:

स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति, समाज और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका **"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"** वाला प्रेरक उद्धरण आज भी लाखों युवाओं के जीवन में मार्गदर्शन करता है। स्वामी विवेकानंद का विश्वास था कि भारतीय युवाओं में अपार शक्ति है और यदि सही दिशा में उनका मार्गदर्शन किया जाए, तो वे देश को महान बना सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो विश्व धर्म महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व किया और वहां अपने प्रसिद्ध भाषण से दुनियाभर में भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ाया। उनका यह भाषण आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उद्देश्य:

1. युवाओं में जागरूकता फैलाना:

यह दिन युवाओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जाता है और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

2. युवाओं के योगदान को सम्मानित करना:

यह दिन उन युवाओं का सम्मान करने का अवसर है जिन्होंने समाज, शिक्षा, विज्ञान, खेल और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

3. स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का प्रचार:

इस दिन स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाता है। वे हमेशा कहते थे कि युवा समाज का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, और उनका नेतृत्व ही देश को महान बना सकता है।

4. युवाओं को सही मार्गदर्शन देना:

यह दिन युवाओं को उनके जीवन के उद्देश्य को पहचानने, शिक्षा प्राप्त करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम और समर्पण की महत्ता को समझते हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और आदर्शों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह युवाओं को आत्मनिर्भर, प्रेरित और देश की प्रगति में सक्रिय भागीदार बनने की प्रेरणा देता है। स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाकर, युवा अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।



रैली निकालते छात्र एवं शिक्षक



राष्ट्रीय युवा दिवस रैली, व्याख्यान एवं प्रतियोगिताएं



राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित रैली

भारत हमेशा से युवा चेतना व ऊर्जा से प्रदीप्त होता रहा

सिद्धार्थनगर, निज संवाददाता। भारतवर्ष हमेशा से युवा चेतना और ऊर्जा से प्रदीप्त होती रही है। भारत को विश्व गुरु की प्रतिस्थापन में युवाओं का योगदान और उनका समर्पण सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। स्व से राष्ट्र का निर्माण होता है। यही स्व भारत के भविष्य का आधार भी है। ये बातें सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु की कुलपति प्रो. कविता शाह ने गुरुवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में भारतीय युवा चेतना : भूत और भविष्य विषय पर आयोजित व्याख्यान में कहीं।

कुलपति प्रो. कविता शाह ने युवाओं से कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करते हुए निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होते रहना चाहिए। प्रत्येक भारतीय के लिए स्वामी विवेकानंद का जीवन और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन बहुत ही आदर्श जीवन के रूप में सबके समक्ष है। इस मौके पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के

- भारतीय युवा चेतना : भूत व भविष्य विषय पर आयोजित हुआ व्याख्यान
- युवाओं का सकारात्मक व्यक्तित्व ही भारत के भविष्य का आधार स्तंभ

अंग्रेजी विभाग के संयुक्त आचार्य डॉ. अमोद कुमार राय ने कहा कि युवाओं का ऊर्जावान और सकारात्मक व्यक्तित्व ही भारत के भविष्य का आधार स्तंभ है। स्वामी विवेकानंद जयंती श्रृंखला कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। लोक प्रशासन विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुनीता त्रिपाठी की पुस्तक आचार्य कौटिल्य एक अध्ययन का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. नीता यादव, डॉ. रेनु, डॉ. अमित आदि मौजूद रहे।

समाचार पत्र में प्रकाशित खबर

अनतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम

माननीय कुलाधिपति के दिशा निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में भाषण व नाट्य प्रतियोगिताएं राज्य विश्वविद्यालय समूहों द्वारा आयोजित कराई गयी जिसमे समस्त महाविद्यालयों सहित विश्वविद्यालय में अध्ययन रत छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया। यह प्रतियोगिताएं भी तीन चरणों में आयोजित कराई गयी। प्रथम चरण में महाविद्यालयों में भाषण व नाट्य प्रतियोगिताएं कराई गयी तदुपरांत विश्वविद्यालयों में और अंत में अंतर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गयी। अंतर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में विजयी टीम व छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ८ मार्च २०२५ को राजभवन में आमंत्रित किया गया। जहाँ छात्रों द्वारा अपने कौशल का प्रदर्शन किया गया। समूह तीन संवर्ग के छात्रों को नाट्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

भाषण प्रतियोगिता एक ऐसा मंच है, जहां प्रतिभागी अपनी विचारधारा, दृष्टिकोण और सृजनात्मकता को शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। यह प्रतियोगिता न केवल भाषा की शैली और उच्चारण पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि यह व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, और विषय की गहरी समझ को भी परखती है। भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालयों, कॉलेजों, संगठनों और सामुदायिक संस्थाओं में विभिन्न अवसरों पर किया जाता है, जैसे राष्ट्रीय दिवस, सांस्कृतिक आयोजन, और अन्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा।



विकसित भारत की संकल्पना

विकसित भारत की संकल्पना केवल आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय, और सशक्त लोकतंत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्र बनने की आकांक्षा है जहाँ हर नागरिक को समान अवसर, अधिकार और जीवन की बुनियादी सुविधाएँ प्राप्त हों। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो न केवल विकास के भौतिक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि मानवाधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक कल्याण को भी प्राथमिकता देता है।

विकसित भारत की संकल्पना का उद्देश्य हर क्षेत्र में सुधार करना है, ताकि भारत एक उन्नत, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सके। इस संकल्पना को साकार करने के लिए कई पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे- शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य सेवाएँ, इंफ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और सामाजिक समानता।

दहेज प्रथा भारतीय समाज में एक पुरानी और हानिकारक परंपरा रही है, जो आज भी कई स्थानों पर प्रचलित है। यह प्रथा विवाह के समय लड़की के

परिवार द्वारा लड़के के परिवार को एक मोटी रकम, आभूषण, वस्त्र, घर का सामान या अन्य उपहार देने की परंपरा है। इस प्रथा का मुख्य उद्देश्य लड़की के परिवार की सामाजिक स्थिति को दर्शाना और उसकी आर्थिक क्षमता का परिचय देना था। हालांकि, दहेज प्रथा ने समाज को बहुत सी गंभीर समस्याओं का सामना कराया है, जैसे कि महिलाओं के साथ भेदभाव, घरेलू हिंसा, मानसिक तनाव, और कभी-कभी यहां तक कि आत्महत्या भी।



दहेज प्रथा उन्मूलन (Dowry System Abolition)

नाट्य प्रतियोगिताएँ (Drama Competitions)

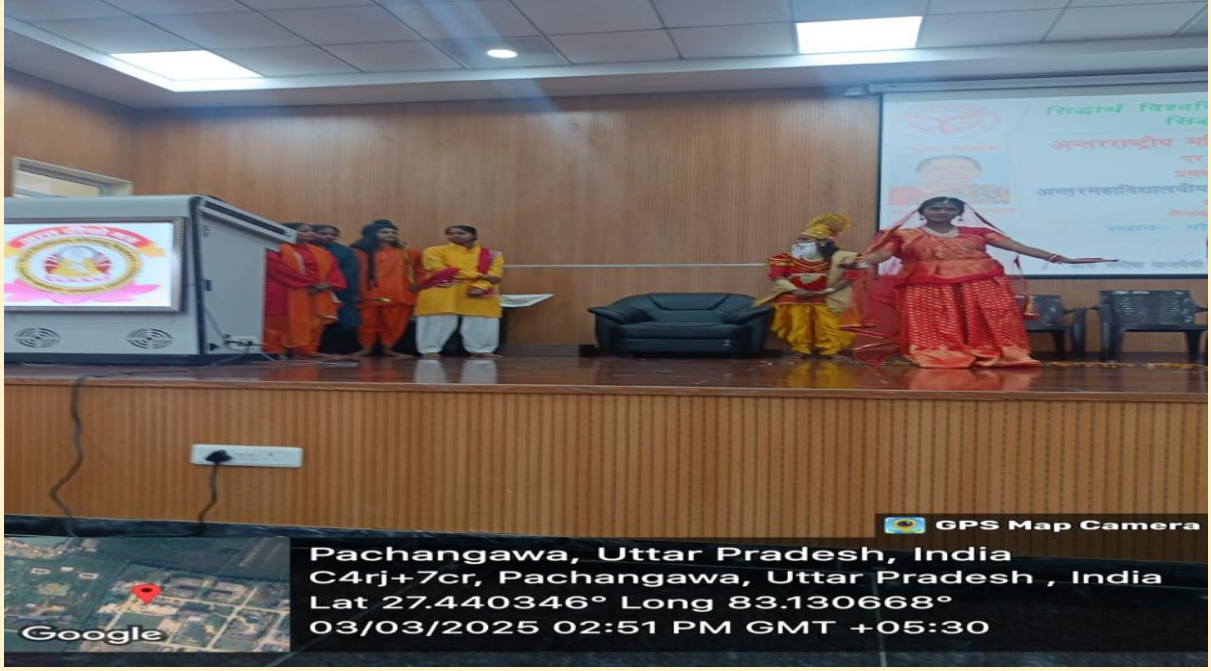
नाट्य प्रतियोगिताएँ (या नाटक प्रतियोगिताएँ) शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं। ये प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों, कलाकारों और नाटक प्रेमियों को अपनी कला और अभिनय

कौशल को प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करती हैं। इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य न केवल प्रतिभा को पहचानना है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों पर विचार करने का अवसर भी प्रदान करना है।



मंथरा का रानी कैकेयी को बरगलाना

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में नाट्य प्रतियोगिताओं का मंचन दिनांक 03-02-2025 को किया गया जिसमें राम वन गमन, द्रौपदी चीर हरण, अहिल्याबाई होल्कर आदि का प्रदर्शन किया गया।



कैकेयी का हठ



अयोध्या में राम के राजतिलक की तैयारी

द्रौपदी चीरहरण महाभारत के एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दुखद प्रसंग के रूप में प्रसिद्ध है। यह घटना **द्रौपदी** की इज्जत और सम्मान की रक्षा के संदर्भ में है, जो भारतीय इतिहास और साहित्य में महिलाओं के सम्मान की एक बड़ी मिसाल प्रस्तुत करती है।



जुआ खेल और हार



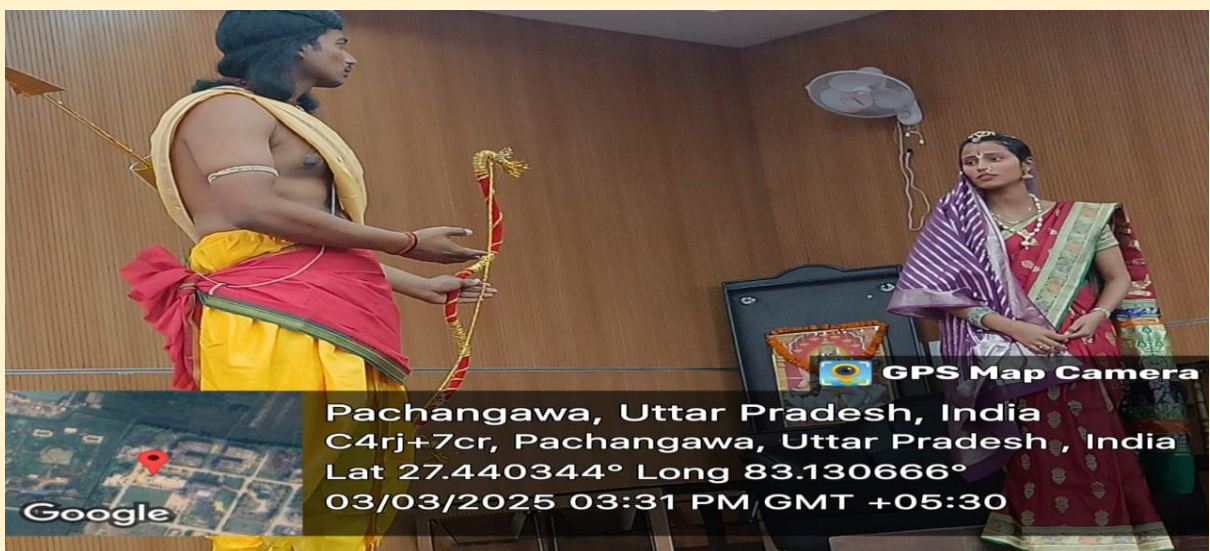
चीरहरण का वृतांत: द्रौपदी को दरबार में उपस्थित किया गया।

राम वनगमन (Ram Vanvasan)

राम वनगमन हिन्दू धर्म के महाकाव्य रामायण से जुड़ा एक प्रमुख प्रसंग है। यह वह समय था जब भगवान राम को अपनी माँ कैकयी द्वारा दिए गए वरदानों के कारण 14 वर्षों के लिए वनवास पर जाना पड़ा। इस घटनाक्रम ने भगवान राम के जीवन को एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया और यह पूरे हिन्दू धर्म में एक प्रेरणादायक कथा के रूप में प्रकट हुआ।



राम को 14 वर्षों का वनवास और दूसरे में भरत को अयोध्या का राजा बनाने की मांग की।



भरत का उरमिला को समझाना



मल्लाह द्वारा राम सीता लक्ष्मण को नदी पार कराना

अहिल्या बाई होलकर (Ahilya Bai Holkar)

अहिल्या बाई होलकर भारतीय इतिहास की एक महान और प्रेरणादायक महिला शासिका थीं, जिन्होंने 18वीं शताब्दी में **इंदौर** के होलकर राज्य की शासन व्यवस्था को सुधारने और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह **होलकर वंश** की रानी थीं और उन्हें उनकी नीतियों, प्रशासनिक क्षमता, धार्मिक सहिष्णुता और समाजिक कल्याण के कामों के लिए याद किया जाता है।



अहिल्या बाई होलकर के पात्र

07-03-2025 Time -11:00 A.M- 12.00 Noon

"पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय"

"पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय" यह एक प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद नारा है जो भारत में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। इस नारे का उद्देश्य यह दिखाना है कि जब देश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा, तो इसका सीधा प्रभाव देश के समग्र विकास पर पड़ेगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उ.प्र.

“ पढ़े विश्वविद्यालय / बढ़े विश्वविद्यालय
पढ़े महाविद्यालय / बढ़े महाविद्यालय ”

दहेज मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत

डॉ. यशवन्त यादव वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश	डॉ. (ले.) प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी ए.एन. ओ., एन. सी.सी. सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश	डा. सच्चिदानन्द चौबे मंडल अधिकारी पढ़े विश्वविद्यालय / बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश	प्रो. नीता यादव समन्वयक महिला अध्ययन केन्द्र सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश
--	--	--	---

नारे का अर्थ और उद्देश्य:

1. शिक्षा का महत्व:

यह नारा हमें यह समझाता है कि जब विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अपने शैक्षिक स्तर में सुधार करते हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं, तो देश की समग्र प्रगति को गति मिलती है। "पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय" का मतलब है कि अगर हमारे विश्वविद्यालय मजबूत और उच्च गुणवत्ता वाले होंगे, तो राष्ट्र का विकास तेज़ी से होगा।

2. व्यक्तिगत और सामाजिक विकास:

इस नारे के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आवश्यक है। महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों का उच्च स्तर पर शिक्षा देना समाज में जागरूकता, नवाचार, और विकास की भावना को बढ़ावा देता है।

3. राष्ट्र का विकास:

अगर भारत के विश्वविद्यालय और महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उच्च मानकों पर खरे उतरते हैं, तो देश की युवा शक्ति अधिक सक्षम होगी, जो भविष्य में राष्ट्र की प्रगति में अहम योगदान दे सकती है। इससे न केवल समाज में जागरूकता आएगी, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला और मानविकी के क्षेत्रों में भी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

4. शिक्षा की समानता:

यह नारा यह भी दर्शाता है कि सभी छात्रों को समान अवसर मिलना चाहिए ताकि वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकें। इससे देशभर में शिक्षा का स्तर समान रूप से बढ़ेगा और देश में असमानताओं को कम किया जा सकेगा।

"पढ़े विश्वविद्यालय/बढ़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय/बढ़े महाविद्यालय" नारा हमारे समाज में शिक्षा के महत्व और उसकी आवश्यकता को उजागर करता है। यह नारा यह दर्शाता है कि जब हम अपनी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करेंगे और बेहतर बनाएंगे, तो इसका सीधा असर राष्ट्र की समृद्धि, प्रगति और सामाजिक बदलाव पर पड़ेगा।

०७ मार्च २०२५ को पढ़े विश्वविद्यालय /बढ़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय /बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त छात्रों द्वारा पंजीकरण कराया गया तथा ०७ मार्च को विश्वविद्यालय प्रांगण में स्वस्तिक आकृति का निर्माण कर छात्रों ने पुस्तक पाठन किया। छात्रों द्वारा आओ पढ़े की भी आकृति बनायीं गयी। वही कक्षा में उपस्थित छात्रों ने अपनी कक्षा में बैठ कर पाठन किया।



स्वस्तिक आकृति में बैठ कर पढ़ते हुए छात्र



कक्षा में पाठन करते छात्र



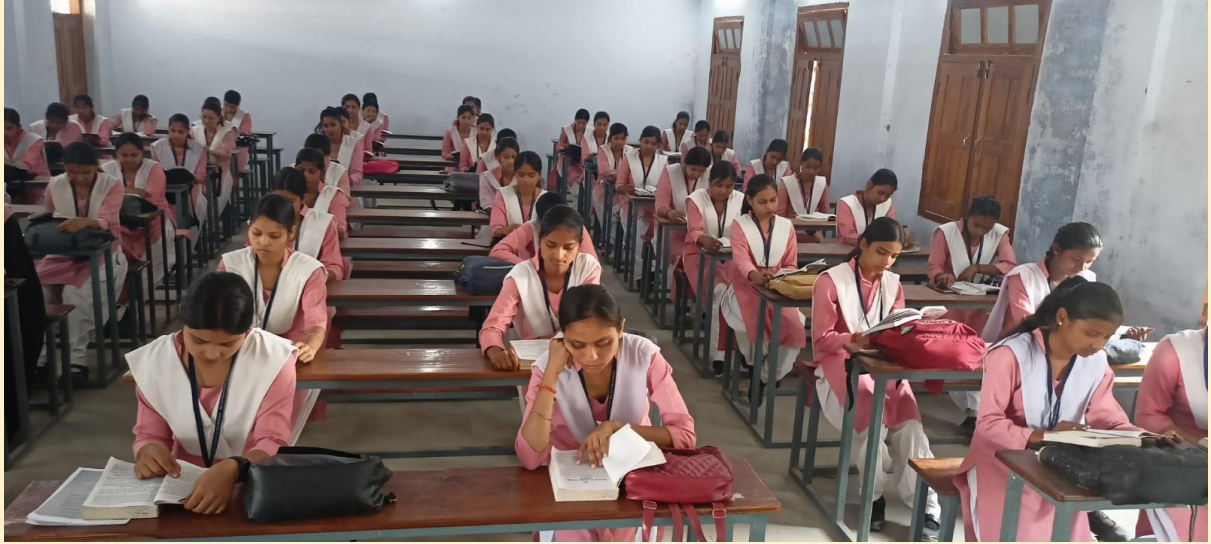
आओ पढ़ें



"पढ़े विश्वविद्यालय/बड़े विश्वविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय/बड़े महाविद्यालय"

क्रम संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभागिओ कि संख्या	महाविद्यालय स्तर पर प्रतिभागियो की संख्या	गोद लिए गए गांव में प्रतिभागिओ की संख्या	अन्य प्रतिभागिओ की संख्या	योग
1	2	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु	1385	12594	555	845	18858





महारानी लालकुवरि महाविद्यालय के छात्र कक्षाओं में पाठन करते हुए।

दहेज मुक्त भारत 07-03-2025 Time 12.15 P.M

दहेज मुक्त भारत का उद्देश्य भारतीय समाज में दहेज प्रथा को समाप्त करना है। यह एक सामाजिक आंदोलन है, जिसका लक्ष्य दहेज के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक असमानता, अत्याचार और अपराधों को समाप्त करना है। दहेज प्रथा, जो कि विशेष रूप से विवाह के दौरान लड़की के परिवार द्वारा लड़के के परिवार को धन, संपत्ति या अन्य उपहार देने की परंपरा है, एक लंबे समय से भारत में प्रचलित है। यह प्रथा न केवल महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में असमानता और सामाजिक दबाव का कारण भी बनती है।

दहेज़ मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विवाह के पवित्र बंधन को दहेज़ रूपी सौदे से मुक्त रखूँगा। स्वयं दहेज़ न लूँगा और न ही दूँगा। दहेज़ लेने वालों का विरोध करूँगा और लोगों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराऊँगा। अपने परिवार, मित्रों, और समुदाय को दहेज़ प्रथा के खिलाफ जागरूक करूँगा, पारिवारिक संबंधों कि मधुरता के प्रति संवेदनशील होने का दाइत्व बोध कराऊँगा।

अपने जीवन में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से भारत को एक दहेज़ मुक्त, समतामूलक, जिम्मेदार और स्वस्थ विचारों का पोषक समाज बाबाने के लिए प्रतिबद्ध रहूँगा।

जय हिन्द जय भारत



प्रतिज्ञा करते सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कर्मचारी व शिक्षक



प्रतिज्ञा करते सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कर्मचारी व शिक्षक



विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के छात्र प्रतिज्ञा करते हुए।

नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा

नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि किसी प्रकार के नशे अथवा मादक पदार्थ का सेवन न स्वयं करूँगा, न ही अन्य को प्रोत्साहित करूँगा। नशे से शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में परिवार, मित्र, समाज व जान जान को जागरूक करूँगा। किसी भी प्रकार के नशे के व्यापार कि जानकारी मिलने पर मैं प्रशासन को इसकी सूचना दूँगा और कानूनी कार्यवाही का समर्थन करूँगा।

मेरा भारत देश एक नशा मुक्त, स्वस्थ, प्रगतिशील व समृद्ध राष्ट्र कहलाये, इसके लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध रहूँगा।

जय हिन्द जय भारत



शपथ लेते छात्र, कर्मचारी एवं शिक्ष

शपथ

क्रम संख्या	विश्वविद्यालय का नाम	विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभागियों की संख्या	महाविद्यालय स्तर पर प्रतिभागियों की संख्या	गोद लिए गए गांव में प्रतिभागियों की संख्या	अन्य प्रतिभागियों की संख्या	योग	अभ्युक्ति

1.	सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु	1385	12594	555	845	18858	
----	---	------	-------	-----	-----	-------	--

08-03-2025 International women Day @ Rajbhavan

माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने समस्त महिला कुलपतियों को सम्मानित किया। साथ ही अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया। जनजातीय छात्र एवं छात्राओं को राजभवन में ससम्मान आमंत्रित किया। छात्रों ने अपने भाषण में

दहेज प्रथा व विकसित भारत पर अच्छे व्याख्यान प्रस्तुत किया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव को भी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा सम्मानित किया गया।

अत्यंत गौरव के क्षण। सुन्दर पुष्पों से सुसज्जित राजभवन सबका स्वागत कर रहा था। सभी को राजभवन में भोजन के उपरांत ससम्मान विदा किया गया। जिसे भी माननीय का सानिध्य प्राप्त हुआ वे अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे थे।



माननीय कुलाधिपति के साथ समस्त राज्य विश्वविद्यालय की महिला कुलपति गण



छात्रा कलावती - दहेज़ उन्मूलन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए



माननीय कुलपति के साथ छात्र एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण - राजभवन में



जनजातीय संवर्ग के छात्र सर्वज्ञ जी गौड़ द्वारा विकसित भारत पर विचार व्यक्त किये ग

माननीय कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय को भेंट की गयी बस

माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा जो बस सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को भेंट की गयी वह छात्रों के लिए वरदान साबित हुई। विज्ञान संकाय के छात्र विभिन्न अभ्यारण एवं जैव विविधता पर्यावरण देखने जा पा रहे हैं , साथ ही प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के छात्र ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का अवलोकन कर पा रहे हैं।



माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को भेंट जो की गयी बस



शैक्षिक यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले समूह चित्र - कुलसचिव डा अमरेंद्र कुमार सिंह , प्रो नीता यादव , डा शरदेन्दु कुमार त्रिपाठी श्री दिना नाथ , डा अब्दुल हफिज एवं अन्य साथ में छात्र छात्राएं



बस में छात्रों सहित शिक्षक



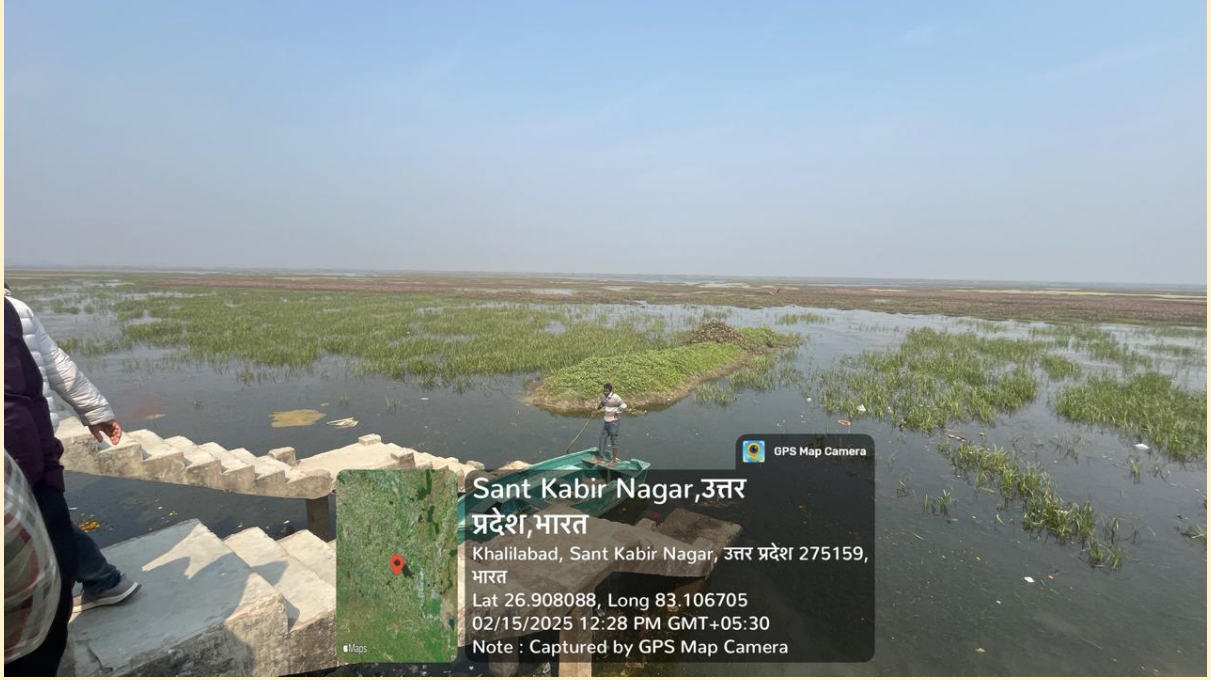
स्तूप पर उपस्थित भंते



छात्रों को जागरूक करते सहायक संग्रहालय निदेशक कपिलवस्तु संग्रहालय



पिपरहवा स्तूप सहित छाया चित्र



छात्रों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जानकारी प्राप्त की गयी.

जन संवाद साइकिल यात्रा- (25, 26– 27 March 2025)

परम आदरणीय महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के दिशा निर्देशन में एक बार पुनः साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। इस बार साइकिल यात्रा का उद्देश्य माननीया द्वारा निर्देशित कार्य योजना के अंतर्गत संपन्न किया गया। इस साइकिल यात्रा का विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न स्थलों पर शैक्षिक भ्रमण के साथ साथ ग्रामीण अंचलों के निवासियों से जान संवाद भी स्थापित किया गया।



सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के मुख्या द्वार से जान संवाद साइकिल यात्रा का शुभारम्भ किया गया।

जन-संवाद साइकिल यात्रा
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर, उ.प्र.
दिनांक : 25 मार्च 2025 से 27 मार्च 2025
विश्वविद्यालय चला गाँव की ओर

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति एवं
श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

प्रो. कविता शाह
कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश

डॉ. यशवन्त यादव
वसिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ. प्रज्ञेश नाथ त्रिपाठी
एन0 ओ0 राष्ट्रीय कॅडेट कोर
श्री अजय कुमार सोनकर
मिन्त अधिकारी

डॉ. आशुतोष वर्मा
सहायक नोडल अधिकारी

डॉ. विशाल गुप्ता
नोडल अधिकारी

प्रो0 नीता यादव
अधिष्ठाता छात्र कल्याण

डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह
कुलसचिव





सिविवि द्वारा निकाली गई साइकिल यात्रा

कपिलवस्तु(एसएनबी)।सिविवि में सोमवार को जन संवाद साइकिल यात्रा का शुभारंभ हुआ। साइकिल यात्रा विगत 3 मार्च को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के क्रम में निकाली गई है। साइकिल यात्रा के संबंध में कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि शिक्षण संस्थाओं की भूमिका समाज में जन जागरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी अपने आसपास के समाज एवं जिलों में समाज में व्याप्त विभिन्न प्रकार की कुरीतियों एवं अति आवश्यक सामाजिक मुद्दों से सम्बंधित जन जागरण के लिए साइकिल से 3 दिन की यात्रा पर निकले हैं। कार्यक्रम का पूरा रोड में तैयार किया गया है।

यह यात्रा लगभग 170 किलोमीटर की होगी। छात्र यात्रा मार्ग में आने वाले विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों तथा गांव एवं कस्बों में नशा उन्मूलन दहेज उन्मुक्ति महिला शिक्षा एवं भारत की यशस्वी विरासत से संबंधित



प्रो हारिशकुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया। यात्रा के संयोजक डा. विशाल गुप्ता, डा. यशवंत यादव, डा. दिनेश प्रसाद, डा. अमित साहनी, डा. आशुतोष श्रीवास्तव, डा. लक्ष्मण सिंह, डा. विनीता रावत, डा. मनीष बाजपेई, डा. रक्षा, डा. अंकिता, डा. सरिता, डा. मयंक, डा. प्रदीप, डा. जय सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बानगंगा(एसएनबी)। छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों के समूह द्वारा साइकिल यात्रा का काफिला अपराह्न 3 बजे शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में पहुंचा। प्राचार्य प्रो अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वागत किया गया तत्पश्चात सभी को मध्यान भोजन कराया



गया। छात्रों के साथ सभी लोग शोहरतगढ़ पैलेस भ्रमण किया। शोहरतगढ़ से यह काफिला बुद्ध विद्या पीठ महाविद्यालय सिद्धार्थ नगर के लिये रवाना हुआ। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से

नाटक जन जागरण अभियान इत्यादि विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित कर समाज को जागरूक करेंगे। इसके साथ-साथ पूरे यात्रा में जो भी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है यह टोली उनका दर्शन करेगा साथ में विश्वविद्यालय की शिक्षकों की टीम भी गई है जो विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के बारे में बच्चों विद्यार्थियों को जानकारी देगे और उसके महत्व पर प्रकाश डालेंगे। यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के महामाया द्वार पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव, प्रो प्रति राय,

शिक्षक एवं शिक्षिका तथा डा. दिनेश प्रसाद, डा.प्रदीप कुमार पाण्डेय, डा. मयंक कुशवाहा,डा. नरेंद्र कुमार शर्मा, डा. अमित कुमार साहनी,डा. अब्दुल नफीज, महाविद्यालय के शिक्षक डा सुशील कुमार डा. विनोद कुमार सिंह, डा. अमित सिंह, डा. अजय सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा.एके सिंह, डा. राम किशोर सिंह अश्वनी सिंह तथा छात्र- छात्रा शुभ लक्ष्मी, महेश, श्रेया गौतम, खुशी पाण्डेय आदि लोग मौजूद रहें।

समाचार पत्र में साइकिल यात्रा शुभारम्भ

सर्वप्रथम रोड मैप के अनुसार सभी साइकिल यात्री गनवरिया ऐतिहासिक स्थल पहुंचे जहाँ छात्रों को गनवरिया बौद्ध ऐतिहासिक स्थल की विस्तृत जानकारी अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव द्वारा प्रदान की गयी।

छात्रों ने विभिन्न पुरातत्विक स्थलों का निरीक्षण किया तथा कुछ समय व्यतीत करने के उपरांत पलटा देवी पुरात्तात्विक स्थल के लिए साइकिल मार्ग से प्रस्थान किया।



गनवरिया ऐतिहासिक स्थल से मार्गदर्शन प्राप्त कर छात्र पलटा देवी स्थल के लिए तैयार

पुरात्तात्विक स्थल का भ्रमण करते छात्र

(Ganvaria) एक प्रमुख स्थल है जो कपिलवस्तु के पास स्थित है और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह स्थल कपिलवस्तु के उत्खनन क्षेत्र का हिस्सा है, जो गौतम बुद्ध के जन्मस्थल और उनके बचपन के समय से जुड़ा हुआ है।

□ यह स्थल ऐतिहासिक दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां के उत्खनन में बुद्धकालीन संरचनाएँ, मठ, और अन्य धार्मिक स्थल पाए गए हैं।

□ **उत्खनन से प्राप्त वस्तुएँ:**

गनवरिया में किए गए उत्खनन में प्राचीन मूर्तियाँ, शिलालेख, और अन्य महत्वपूर्ण कलाकृतियाँ मिली हैं, जो गनवरिया क्षेत्र के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को दर्शाती हैं।

इन वस्तुओं से यह संकेत मिलता है कि यह स्थान बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए एक प्रमुख केंद्र हो सकता था।

गनवरिया में छात्रों ने जानकारी प्राप्त की तदुपरांत वे गोद लिए गांव गनवरिया में लोगों से मिले और उनकी कार्य शैली को समझा। छात्रों ने उन्हें दहेज न लेने की शपथ भी दिलाई और नशा मुक्त भारत की योजना भी समझायी .



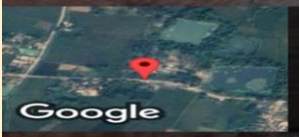
हरे भरे रास्तों से गुजरते हुए



Palta Devi, Uttar Pradesh, I...

C22g+mv8, Palta Devi, Uttar Pradesh 272205, India
 Lat 27.401667° Long 83.027277°
 25/03/2025 02:04 PM GMT +05:30

पलटा देवी स्थल पर छात्र



Palta Devi, Uttar Pradesh, I...

C22g+mpf, Palta Devi, Uttar Pradesh 272202, India
 Lat 27.401759° Long 83.026553°
 25/03/2025 01:59 PM GMT +05:30

ऐतिहासिक स्थल गनवरिया का शैक्षिक भ्रमण

पलटा देवी पर लोग हाथी और शेर की मूर्तियां देवी माँ को समर्पित करते हैं। पलटा देवी स्थल महाभारत कालीन है जिसे शक्तिपीठ का दर्जा भी प्राप्त है। ऐसी मान्यता है कि यहाँ पांडवों ने अज्ञातवास के दौरान माता के मंदिर की स्थापना की और उनका भाग्य यही से पलटना प्रारंभ हुआ। इसलिए इस देवी का नाम पलटा देवी पड़ा। सिद्धार्थनगर जनपद का यह एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल भी है। शोहरत गढ़ जिले में स्थित यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पवित्र है।



छात्रों ने ग्रामवासियों से भेंट की और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए आवाहन किया।



छात्रों द्वारा देवी माँ के दर्शन करने के पश्चात् वहाँ के रमणीय स्थल को देखा गया व महत्वपूर्ण वन सम्पदा की जानकारी भी प्राप्त की गयी। डा आशुतोष कुमार वर्मा एवं डा लक्ष्मण सिंह ने छात्रों को विविध वनस्पतियों की भी जानकारी प्रदान की।

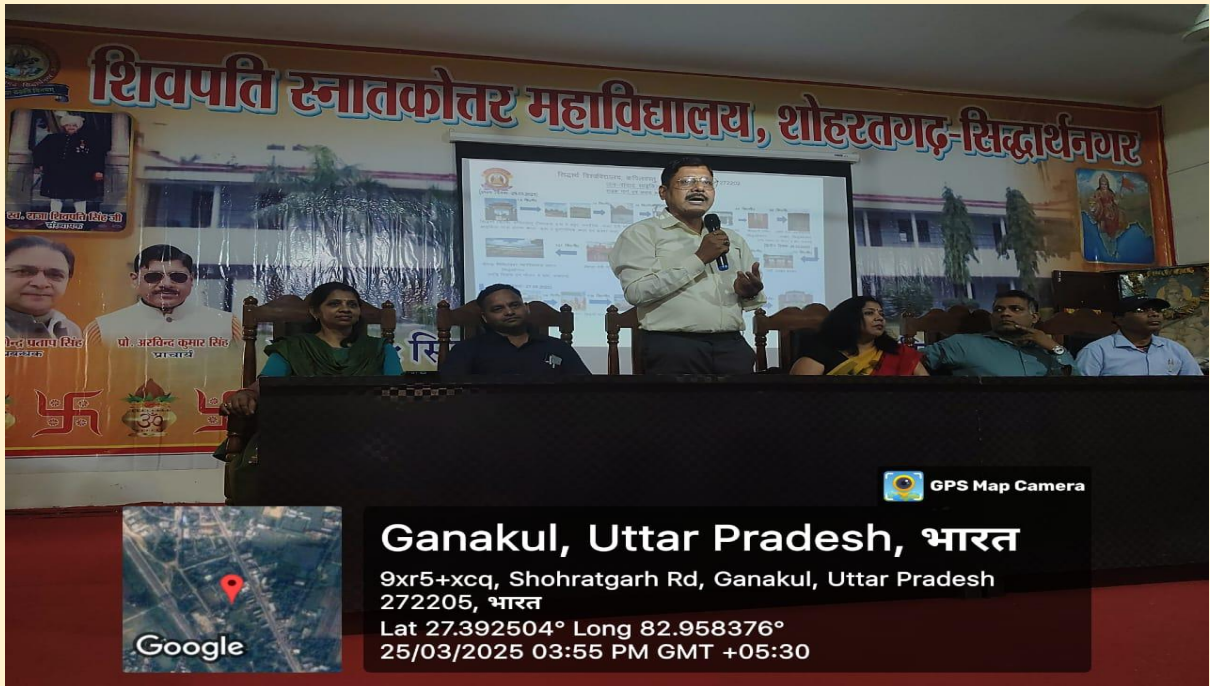
शोहरतगढ़ महाविद्यालय- शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय



शोहरत गढ़ महाविद्यालय में छात्रों का भव्य स्वागत। प्राचार्य डा अरविन्द सिंह द्वारा छात्रों के लिए दोपहर भोजन की व्यवस्था भी की गयी।



शोहरतगढ़ छात्रों के साथ समूह चित्र



छात्रों द्वारा तैयार भाषण प्रतियोगिता का एक दृश्य सम्बोधित करते प्राचार्य प्रो अरविन्द सिंह



सम्बोधित करती अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव



भाषण करते छात्र यूनुस खान

छात्रा दीपिका यादव



शोहरतगढ़ ने स्वतंत्रता संग्राम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अंग्रेजों के दमन का सामना करते हुए, शोहरतगढ़ के लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध किया था, जिससे प्रभावित होकर महात्मा गांधी के पुत्र देवदास गांधी ने यहाँ का दौरा किया था. जब भी आज़ादी का इतिहास पढ़ा जायेगा उसमें चाँदपार (वर्तमान शोहरतगढ़) का नाम जरूर लिया जायेगा अंग्रेजों के दमन के बावजूद, शोहरतगढ़ के लोगों ने अहिंसा का मार्ग अपनाया था, जो महात्मा गांधी को बहुत प्रभावित किया था.



छात्रों ने किले का भ्रमण किया और वहां के गौरवशाली इतिहास को जाना।



किले के प्रांगण में समूह चित्र

उत्साह के साथ आगे बढ़ते छात्र छात्राएं



शोहरतगढ़ से सिद्धार्थनगर निकलते छात्र छात्राएं



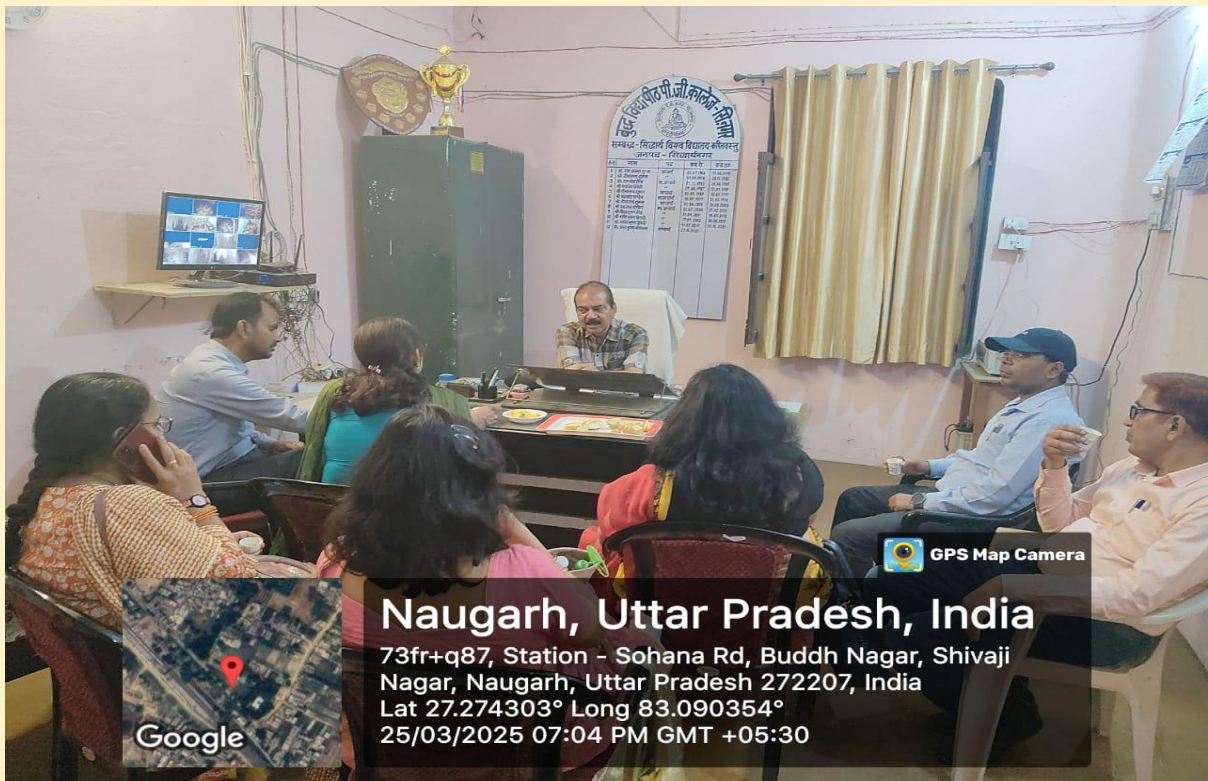
बुद्धा विद्यापीठ पहुंचे छात्र - शाम को



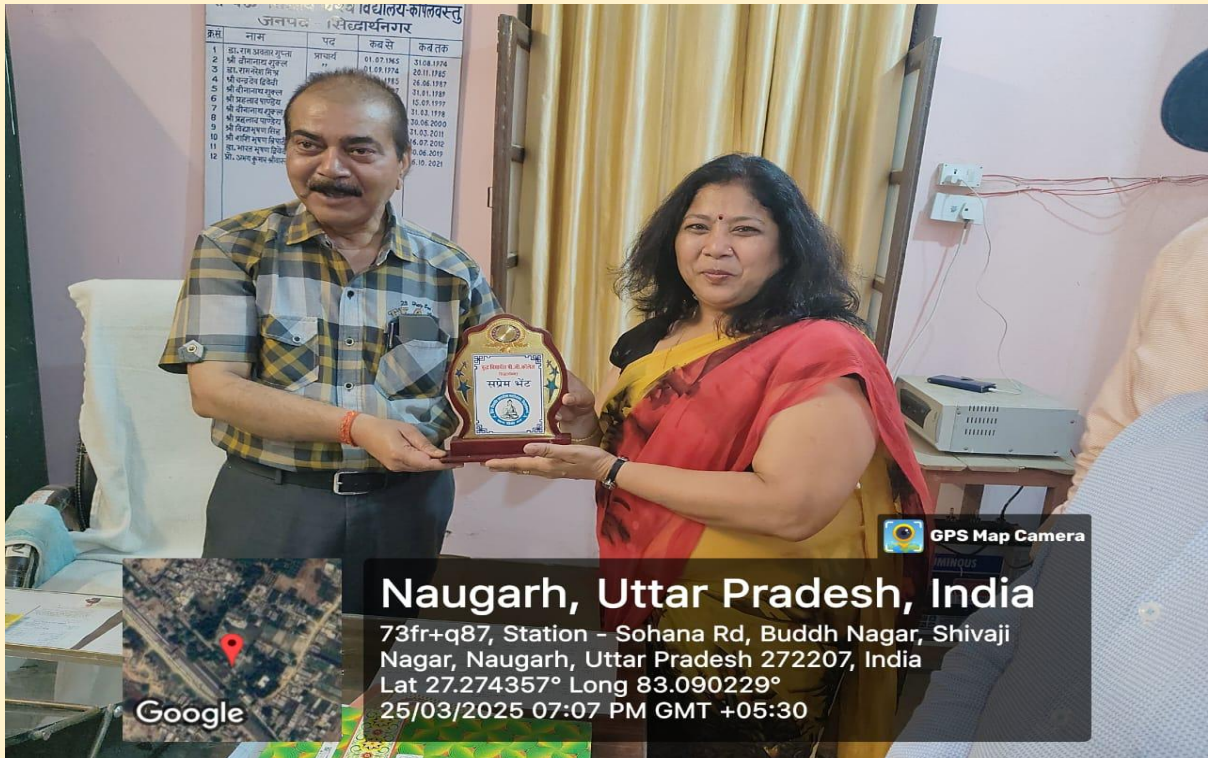
छात्रों का समूह चित्र



स्वल्पाहार करते छात्र - सौजन्य बुद्धा विद्यापीठ



बुद्धा विद्यापीठ - प्राचार्य से भेंट



बुद्धा विद्यापीठ - प्राचार्य से भेंट करती अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव



आगे की यात्रा के लिए तैयार छात्र

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा व शिक्षकों द्वारा की गई साइकिल यात्रा

सनशाइन समय से पीयूष सिंह की रिपोर्ट
शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर
दिनांक 25-03-2025 को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की माननीय

अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात सभी को मध्यान भोजन कराया गया स महाविद्यालय के छात्रों के साथ सभी लोग शोहरतगढ़ पैलेस भ्रमण किया,

करते हुए लगभग 155 कि०मी० की दूरी साइकिल से तय करना था। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से शिक्षक एवं शिक्षिका तथा कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. नीता यादव, डॉ आशुतोष वर्मा, डॉ लक्ष्मण सिंह, डॉ मनीषा बाजपेई, डॉ विनीता रावत, डॉ सविता सिंह, डॉ रक्षा, डॉ अंकिता श्रीवारस्तव, डॉ दिनेश प्रसाद, डॉ प्रदीप कुमार पांडे, डॉ मयंक कुशवाहा, डॉ नरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ० यशवंत यादव, डॉ अमित कुमार साहनी, डॉ अब्दुल नफीज, महाविद्यालय के शिक्षक डॉ सुशील कुमार डॉ विनोद कुमार सिंह, डॉ अमित सिंह, डॉ अजय सिंह, डॉ प्रवीण कुमार राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ए०के० सिंह, डॉ० राम किशोर सिंह अश्वनी सिंह तथा छात्र- छात्रा शुभ लक्ष्मी, महेश, श्रेया गौतम, खुशी पांडे आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।



कुलाधिपति महोदय की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के समूह द्वारा साइकिल यात्रा का काफिला अपराह्न 3रू०० बजे शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पहुंचा स महाविद्यालय में सभी का महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो

जिस पर राजा योगेंद्र प्रताप सिंह एवं युवराज धनुर्धर प्रताप सिंह ने खुशी व्यक्त की स शोहरतगढ़ से यह काफिला बुद्ध विद्या पीठ महाविद्यालय के लिये रवाना हुआ स इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों तथा किसी ऐतिहासिक स्थल से भ्रमण

समाचार पत्रों में यात्रा

मौजूदा स्थिति पर चर्चा करते हुए से अधिक शाखाओं के माध्यम से भी सुवर्गे।

छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के समूह द्वारा निकाली गई साइकिल यात्रा

पाण्डेय, डॉ० मयंक कुशवाहा, डॉ० नरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ० यशवंत यादव, डॉ० अमित कुमार साहनी, डॉ० अब्दुल नफीज, महाविद्यालय के शिक्षक डॉ० सुशील कुमार, डॉ० विनोद कुमार सिंह, डॉ० अमित सिंह, डॉ० अजय सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ० ए०के० सिंह, डॉ० राम किशोर सिंह, अश्वनी सिंह तथा छात्र-छात्रा शुभ लक्ष्मी, महेश, श्रेया गौतम, खुशी पाण्डेय सहित लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

केन्द्रीय मंत्री के पूज्य पिताजी श्रद्धांजलि सभा में विधातक ने

सरराज आलम
शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। भाजपा के एवं अलपर सांसद नूपेन्द्र यादव के पूज्य पिताजी स्व० कदम सिंह जी के देवलोक गमन पर सोमवार को हरियाणा के जमालपुर स्थित उनके पैतृक गांव पहुंचकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावमयी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री एवं उनके शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया। इसके साथ ही केन्द्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शिवराज सिंह

सरराज आलम
शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की कुलाधिपति की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के समूह द्वारा साइकिल यात्रा का काफिला मंगलवार को अपराह्न 3रू०० बजे शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पहुंचा। महाविद्यालय में सभी का महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात सभी को मध्यान भोजन कराया गया। महाविद्यालय के छात्रों के साथ युवराज धनुर्धर प्रताप सिंह ने खुशी व्यक्त की। शोहरतगढ़ से यह काफिला बुद्ध विद्या पीठ महाविद्यालय के लिये रवाना हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँवों तथा किसी ऐतिहासिक स्थल से भ्रमण करते हुए लगभग 155 किमी की दूरी साइकिल से तय करना था। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से शिक्षक एवं शिक्षिका तथा कला संकाय अधिष्ठाता प्रो० नीता यादव, डॉ० आशुतोष वर्मा, डॉ० लक्ष्मण सिंह, डॉ० मनीषा बाजपेई, डॉ० विनीता रावत, डॉ० सविता

अमृत लाल महाविद्यालय , उसका बाजार सिद्धार्थनगर

देर शाम साइकिल यात्री अमृत लाल महाविद्यालय , उसका बाजार सिद्धार्थनगर पहुंचे जहाँ प्राचार्य ने छात्रों का स्वागत किया तथा उनके रात्रि विश्राम की सुन्दर व्यवस्था श्री संकट लाल श्रीवास्तव प्रबंधक अमृत लाल महाविद्यालय द्वारा की गयी । सभी छात्रों ने मिल कर भोजन किया और गाने इत्यादि गाये। फिर सभी भोजन उपरांत अपने निर्धारित स्थल पर शयन करने चले गए। इस तरह प्रथम दिवस उत्साह पूर्वक व्यतीत हुआ।



सिंघेस्वरी मंदिर होते हुए पहुंचे छात्र अमृतलाल महाविद्यालय उसका बाजार, सिद्धार्थनगर- रात्रि विश्राम स्थल.

द्वितीय दिवस - सुबह छात्र तैयार होकर नाश्ता इत्यादि कर अपनी आगे की यात्रा के लिए चल दिए। नदी उसका बाजार को पार करते हुए हरियाली व विभिन्न प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन करते हुए रास्ते में रामनरेश स्मारक पी जी कॉलेज पहुंच गए।





रामनरेश स्मारक पी जी कॉलेज पहुंचे छात्र



छात्रों ने विभिन्न लघु नाटिकाओं का मंचन भी किया



ग्रामीण लोगों से मुलाकात कर लहलहाते खेतों में छात्रों ने विचरण भी किया।



रामनरेश स्मारक पी जी कॉलेज से निकलते छात्र



प्राथमिक विद्यालय में छात्रों से मुलाकात एवं शिक्षिकाओं को पुस्तक भेंट करती प्रो नीता यादव



प्राथमिक विद्यालय में छात्रों से मुलाकात एवं शिक्षिकाओं को पुस्तक भेंट करती प्रो नीता यादव



प्राथमिक विद्यालय के सामने समूह छायांकन



सिकन्दरजीत पुर में महिलाओं की समस्याओं से रूबरू होती प्रो नीता यादव परमेश्वरसिंह पी जी कॉलेज आनंदनगर महाराजगंज पहुंचे छात्र जहाँ छात्रों का स्वागत प्राचार्य डा अशोक भारती द्वारा भव्यता के साथ किया गया। कॉलेज

प्रांगण में छात्रों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की। मध्यान भोजन की व्यवस्था भी छात्रों हेतु कॉलेज प्रबंधकों द्वारा की गयी थी,



स्वागत करते प्राचार्य डा अशोक भारती जी



डा अशोक भारती जी को पुस्तक भेंट करते नोडल अधिकारी डा विशाल गुप्ता



विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करते छात्र



सम्मान करते प्राचार्य



प्राचार्य डा अशोक भारती का सम्मान करते NSS अधिकारी डा यशवंत यादव

जनसंवाद साइकिल यात्रा का शुभारंभ



संचालना
ए. बांधाना
सलाहकार श्री
राम नगीना सिंह
जी ने किया
महाविद्यालय
के आचार्य गण
व कार्यालय
स्टाफ बच्चों
का माल्यार्पण
कर स्वागत

महाराजगंज। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में जन संवाद साइकिल यात्रा की शुरुआत हुई। यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर आयोजित की गई है। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि यह तीन दिवसीय साइकिल यात्रा करीब 170 किलोमीटर की होगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। साइकिल यात्रा आज परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज आनंद नगर महाराजगंज में दोपहर 2:00 बजे पहुंचा जन संवाद साइकिल यात्रा का स्वागत प्राचार्य डॉक्टर अशोक भारतीय जी ने किया उन्होंने साइकिल यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय गांव की ओर जाते हुए यह संदेश दे रहा है कि महाविद्यालय सामाजिक कार्यों में अपने आसपास के गांव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला है और यह सरकार की मंशा के अनुरूप जन जागरूकता के

कार्यक्रम को बढ़ावा देने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता है साइकिल यात्रा की अध्यक्षता कर रहे नोडल अधिकारी डा विशाल गुप्ता ने महाविद्यालय में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की मंशा के अनुसार जन जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए और इसमें शैक्षिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका धरातल पर लाया जाए कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही प्रोफेसर नीता यादव अतिथिता छात्र कल्याण ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर वृहद रूप में किया जा रहा है जो अपने उद्देश्यों को अवश्य प्राप्त करेगा कार्यक्रम में लगभग 31 साइकिल यात्री शामिल हुए जो सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएँ है कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रवीण नाथ त्रिपाठी यशवंत यादव मयंक कुशवाहा डॉक्टर हरेंद्र कुमार शर्मा कर रहे थे जिसमें सूर्य श्रीवास्तव चंदन यादव सुरक्षाकर्मी अपनी महती भूमिका निभाई स्वागत कार्यक्रम का

किया जिसमें डॉक्टर अभिमन्यु शर्मा कमलेश प्रजापति श्री दयाल वर्मा प्रमोद चौरसिया मुरलीधर जायसवाल अरुण कुमार सिंह अश्विनी सिंह शशांक पाल राजेश सिंह अजय पांडे जमुना निषाद घनश्याम सिंह आदि ने माला पहनकर स्वागत किया। छात्र यात्रा के दौरान विभिन्न शिक्षण संस्थानों, गांवों और कस्बों में जाएंगे। वहाँ नशा उन्मूलन, दहेज उन्मूलन, महिला शिक्षा और भारत की विरासत पर नाटक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। साथ ही यात्रा मार्ग के ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण करेंगे विश्वविद्यालय के शिक्षकों की एक टीम भी छात्रों के साथ जा रही है। वे ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देंगे। यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के महामाया द्वार पर किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नीता यादव, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. प्रकृति राय और पूर्व कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. हरिशकुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

जन संवाद साइकिल यात्रा का फरेंदा में हुआ स्वागत



परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कालेज आनंदनगर में साइकिल यात्रा का स्वागत करते प्राचार्य डा. अशोक भारतीय व अन्य • जागरण

जासं, आनंदनगर: कपिलवस्तु से जन संवाद साइकिल यात्रा बुधवार को परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कालेज में दोपहर दो बजे पहुंची। जन संवाद साइकिल यात्रा का स्वागत प्राचार्य डा. अशोक भारतीय ने किया। अध्यक्षता कर रहे नोडल अधिकारी डा. विशाल गुप्ता ने महाविद्यालय में

बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की मंशा के अनुसार जन जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए। इस दौरान डा. प्रवीण नाथ त्रिपाठी, यशवंत यादव, मयंक कुशवाहा, डा. हरेंद्र कुमार शर्मा, डा. अभिमन्यु शर्मा, कमलेश प्रजापति, श्री दयाल वर्मा, प्रमोद चौरसिया रहे।

समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने को लेकर निकली सायकिल यात्रा

राज्यपाल व कुलाधिपति आनन्दीपटेल के निर्देश पर तीन दिवसीय सायकिल यात्रा शुरू की गई

(द्यूरो महाराजगंज)

ग्राम स्वराज्य

महाराजगंज सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में जन संवाद साइकिल यात्रा की शुरुआत हुई। यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर आयोजित की गई है। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि यह तीन दिवसीय साइकिल यात्रा करीब 170 किलोमीटर की होगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। साइकिल यात्रा आज परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज आनंद नगर महाराजगंज में दोपहर 2:00 बजे पहुंचा। जन संवाद साइकिल यात्रा का स्वागत प्राचार्य डॉक्टर अशोक भारतीय जी ने किया। उन्होंने साइकिल यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय गांव की ओर जाते हुए यह संदेश दे रहा है कि महाविद्यालय सामाजिक कार्यों में अपने आसपास के गांव में महत्वपूर्ण



भूमिका अदा करने वाला है और यह सरकार की मंशा के अनुरूप जन जागरूकता के कार्यक्रम को बढ़ावा देने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता है। साइकिल यात्रा की अध्यक्षता कर रहे नोडल अधिकारी डा० विशाल गुप्ता ने महाविद्यालय में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की मंशा के अनुसार जन जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए और इसमें शैक्षिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका घरातल पर लाया जाये। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही प्रोफेसर नीता यादव अतिथिता छात्र कल्याण ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

के निर्देश पर वृहद रूप में किया जा रहा है जो अपने उद्देश्यों को अवश्य प्राप्त करेगा कार्यक्रम में लगभग 31 साइकिल यात्री शामिल हुए जो सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं हैं कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्रवीण नाथ त्रिपाठी यशवंत यादव मयंक कुशवाहा डॉक्टर हरेंद्र कुमार शर्मा कर रहे थे। जिसमें सूर्य श्रीवास्तव चंदन यादव सुरक्षाकर्मी अपनी महती भूमिका निभाई स्वागत कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन सलाहकार श्री राम नगीना सिंह जी ने किया महाविद्यालय के आचार्य गण व कार्यालय स्टाफ बच्चों का माल्यार्पण कर स्वागत किया जिसमें डॉक्टर अभिमन्यु शर्मा

कमलेश प्रजापति श्री दयाल वर्मा प्रमोद चौरसिया मुरलीधर जायसवाल अरुण कुमार सिंह अश्विनी सिंह शशांक पाल राजेश सिंह अजय पांडे जमुना निषाद घनश्याम सिंह आदि ने माला पहनकर स्वागत किया। छात्र यात्रा के दौरान विभिन्न शिक्षण संस्थानों, गांवों और कस्बों में जाएंगे वहां नशा उन्मूलन, दहेज उन्मूलन, महिला शिक्षा और भारत की विरासत पर नाटक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेंगे। साथ ही यात्रा मार्ग के ऐतिहासिक स्थलों का भी भ्रमण करेंगे। विश्वविद्यालय के शिक्षकों की एक टीम भी छात्रों के साथ जा रही है। वे ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देंगे। यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के महामाया द्वार पर किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नीता यादव, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. प्रकृति राय और पूर्व कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. हरिशकुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

संवाद साइकिल यात्रा का हुआ स्वागत

आनन्दनगर (एसएनबी)। सिद्धार्थविश्वविद्यालय कपिलवस्तु में जन संवाद साइकिल यात्रा की शुरुआत हुई। यह यात्रा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर आयोजित की गई है। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि यह तीन दिवसीय साइकिल यात्रा करीब 170 किलोमीटर की होगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना है।

साइकिल यात्रा बुधवार को परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज आनंद नगर महाराजगंज में दोपहर दो बजे पहुंचा जन संवाद साइकिल यात्रा का स्वागत प्राचार्य डॉ. अशोक भारती ने किया। उन्होंने साइकिल यात्रियों को संबोधित करते

हुए कहा कि महाविद्यालय गांव की ओर जाते हुए यह संदेश दे रहा है कि महाविद्यालय सामाजिक कार्यों में अपने आसपास के गांव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला है और यह सरकार को मंशा के अनुस्यू जन जागरूकता के कार्यक्रम को बढ़ावा देने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता है। साइकिल यात्रा की अध्यक्षता कर रहे नोडल अधिकारी डॉ. विशाल गुप्ता ने महाविद्यालय में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार को मंशा के

अनुसार जन जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाये और इसमें शैक्षिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका धरातल पर लाया जाय कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही प्रोफेसर नीता यादव अधिष्ठाता छत्र कल्याण ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर



जनसंवाद साइकिल यात्रियों का स्वागत करते पीएसएम पीजी कॉलेज के प्राचार्य एवं अन्य।

तृहद रूप में किया जा रहा है जो अपने उद्देश्यों को अवश्य प्राप्त करेगा कार्यक्रम में लगभग 31 साइकिल यात्री शामिल हुए जो सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं हैं कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण नाथ त्रिपाठी यशवंत यादव, मयंक कुशवाहा, डॉ. हरेंद्र कुमार शर्मा कर रहे थे जिसमें सूर्य श्रीवास्तव, चंदन यादव सुरक्षाकर्मी अपनी महती भूमिका निभाई स्वागत कार्यक्रम का

संचालन प्रबंधन सलाहकार राम नगीना सिंह ने किया महाविद्यालय के आचार्य गण व कार्यालय स्टाफ बच्चों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। जिसमें डॉ. अभिमन्यु शर्मा कमलेश प्रजापति श्री दयाल वर्मा प्रमोद चौरसिया मुस्लीधर जायसवाल अरुण कुमार सिंह अश्विनी सिंह शशांक पाल राजेश सिंह अजय पाण्डेय, जमुना निषाद, घनश्याम सिंह आदि ने माला पहनकर स्वागत किया।

शक्ति की उपासना का प्रमुख केंद्र - लेहड़ा देवी मंदिर

सभी साइकिल यात्री परमेश्वरसिंह कॉलेज से लेहड़ा देवी मंदिर पहुंचे जहाँ उन्होंने माँ लेहड़े का आशीर्वाद प्राप्त किया व वहाँ के ग्रामीण व्यक्तियों से जान संवाद स्थापित किया, अपने आने का प्रयोजन भी बताया। देवी मंदिर के आस पास के व्यवसायों से उनके कार्य की जानकारी प्राप्त की। जान सामन्य की समस्याओं को भी सुना।



लेहड़ा देवी मंदिर प्रांगण में साइकिल यात्री



वीरेंद्र मिथलेश्वर महाविद्यालय लोटन

लेहड़ा देवी मंदिर दर्शन के उपरांत समस्त छात्र वीरेंद्र मिथलेश्वर महाविद्यालय पहुंचे जहाँ छात्रों का स्वागत प्राचार्य द्वारा किया गया साथ में रात्रि भोजन एवं विश्राम की भी व्यवस्था करायी गयी। छात्रों ने विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं की तथा द्वितीय दिवस उत्साह के साथ पूर्ण हुआ।



लोटन में ग्रामीण अंचल के निवासियों के वार्ता करते छात्र एवं शिक्षक



लोटन ग्रामीण लोगों से मुलाकात के बाद महाविद्यालय की ओर प्रस्थान



वीरेंद्र मिथलेश्वरी महाविद्यालय पहुंचे छात्र



प्रातः कृत्य से निवृत्त होने के बाद पुनः साइकिल यात्रा हेतु उपस्थित छात्र



एकत्रित छात्र रैली के लिए तैयार



तृतीय दिवस सुबह साइकिल यात्रा प्रारम्भ करते छात्र



सुबह ९ बजे छात्र भारत नेपाल सीमा ककरहवा बॉर्डर पहुंचे जहाँ सीमा सुरक्षा बल से मुलाकात की ओर समूह चित्र लिया गया.



सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव दूल्हा सुमाली के प्राथमिक विद्यालय में छात्रों से भेंट। छात्रों को अधिष्ठाता छात्र कायण प्रो नीता यादव ने पुस्तकें भेंट की। साथ ही प्रधानाचार्य महोदय का भी पुस्तक दे कर धन्यवाद किया गया।



प्रधानाचार्य को पुस्तक भेंट करती अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीता यादव साथ में डा विशाल, डा मयंक कुशवाहा, डॉ यशवंत, डॉ मनीषा बाजपाई.



पुस्तकें प्राप्त करती छात्राएं



पुस्तक प्राप्त करते छात्र



दूल्हा सुमाली से निकल कर छात्रों ने रस्ते में रुक कर हरे भरे पेड़ों की छाओं में खेल खेले तदुपरांत वे बर्डपुर की ओर बढ़े



खेलते हुए छात्र छात्राएं



ग्रामीण अंचल में नुक्कड़ नाटक करते छात्र



नाटक देखती स्त्रियां



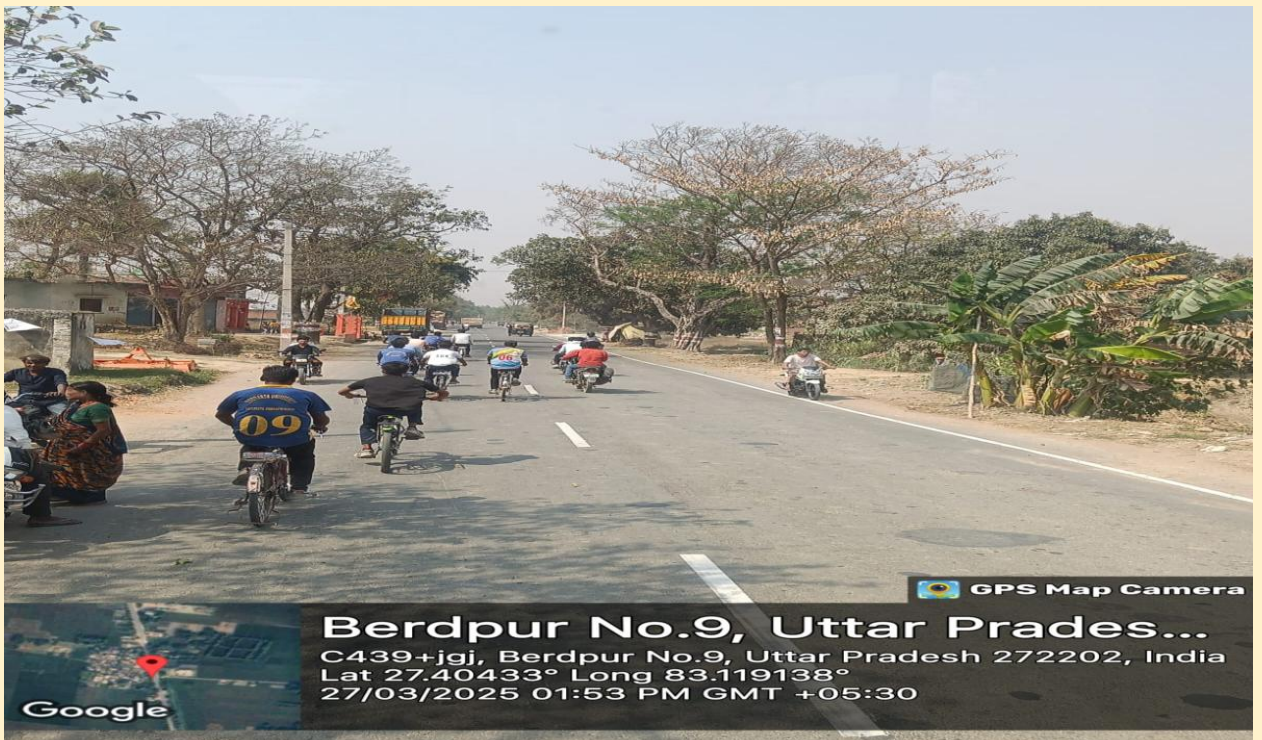
यात्रा के अंतिम दिन एम्बुलेंस सर्विस प्रदान करने हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा साहब का पुस्तक भें कर अभिवादन किया गया साथ ही एम्बुलेंस को छोड़ दिया गया।



छात्र पहुंचे सिद्धार्थ महाविद्यालय बर्डपुर जहाँ प्रबंधक श्री रवि श्रीवास्तव जी ने छात्रों का स्वागत किया और मध्यान्ह भोजन भी कराया।



तदुपरांत छात्र विश्वविद्यालय हेतु निकल पड़े



विश्वविद्यालय की ओर बढ़ते छात्र सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पहुँचने पर छात्रों का हुआ भव्य स्वागत।





सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पहुँचने पर छात्रों का हुआ भव्य स्वागत। माननीय कुलपति प्रो कविता शाह ने पुष्प भेंट कर छात्रों को फ्रूटी एवं बिस्कुट के पैकेट प्रदान किये। सभी छात्र छात्रों एवं शिक्षकों का पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया।

स्वागत के समय समस्त अधिकारी , शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। माननीय विधायक श्री राही जी भी स्वागत के लिए उपस्थित थे। इस प्रकार तीन दिवसीय साइकिल यात्रा माननीय कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा से सफलता पूर्वक संपन्न हुई।



छात्रों का स्वागत करती माननीय कुलपति प्रो कविता शाह एवं विधायक श्री राही जी।

छात्रों के साइकिल यात्रा के अनुभव

my experience in the university Bicycle Rally

Last week, our university organized a bicycle rally to promote fitness and environmental awareness among students. The event was conducted by the faculty of Arts and was part of the university "Go Green" Campaign.

The rally took place on a Saturday morning and began at 9:00 a.m. from the university main gate. Over 45 students and faculty members participated, all geared up with helmets and safety gear. The route covered around 155 kilometers, passing through nearby residential areas and ending at the university Sport Complex.

Before the rally began, there was a short Inauguration Ceremony where the Dean addressed the participants and emphasized the importance of cycling for both health and the environment. Every one was filled with enthusiasm and excitement.

As we pedaled through the streets we carried placards with messages like "Pedal for the Planet" and "Stay Fit, Go Green." The energy was contagious, each other throughout the ride.

There were a few challenges, especially when riding uphill or through crowded areas, but we all supported each other and kept going. Volunteers were stationed at various points with water and first-aid support which was very helpful. When we reached the finish point we were welcomed with applause. Two refreshment certificates were distributed to all participants, and a group photo was taken to mark the event.

Overall, it was a refreshing and inspiring experience. It not only encouraged physical activity but also reminded us of our responsibility to the environment.

Vishay Kanharia
B.A III year

Date: / /

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साइकिल रैली
का अनुभव

पिछले सप्ताह हमारे विश्वविद्यालय द्वारा
'स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण'
के उद्देश्य से एक साइकिल रैली
का आयोजन किया गया। इस रैली
का हिस्सा बनना मेरे लिए एक
अत्यंत पेरनादायक और यादगार अनुभव रहा।

रैली की शुरुआत सुबह 7 बजे विश्वविठ
परिसर से हुई। सभी प्रतिभागी सफेद
टी-शर्ट और हेलमेट में एकता और
अनुशासन का परिचय दे रहे थे। कुल
मिलकर करीब 50 छात्रों और शिक्षकों ने इसमें
भाग लिया। रैली का मार्ग लगभग 153
किलोमीटर का था, जो शहर के प्रमुख
इलाकों से होकर गुजरता था।

साइकिल चलते समय सभी प्रतिभागी गाने
लगा रहे थे जैसे - 'स्वस्थ रही, साइकिल
चलाओ, प्रदूषण हटाओ, पर्यावरण बचाओ।'
रास्ते में लोगों ने तालियों से हमारा
स्वागत किया, जिससे हम अपना उत्साह और
श्री बढ़ गया।

विशाल बरुण

BSc 1st year, 2nd sem

Date: / /

साइकिल रैली

साइकिल रैली में भाग लेना, एक अद्भुत और यादगार अनुभव रहा यह न केवल एक शारीरिक गतिविधि है, बल्कि यह पर्यावरण के प्रति जागरूकता और लोगों के साथ बातचीत और लोगों को एक साथ लाने का भी एक शानदार तरीका है। रैली में भाग लेने से आप स्वस्थ रह सकते हैं, प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकते हैं, और अपने समुदाय के साथ जुड़ सकते हैं, साइकिल रैली का आयोजन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से होते हुए शोहरगढ, सिद्धार्थ नगर, अनन्द नगर और साथ ही लौटन तक और अन्त में कुल मिलाकर 155.km का यात्रा हमने तय किया, और इसमें कई छात्रों ने उत्साह से भाग लिया, छात्रों ने संदेश दिया कि हम खुद स्वच्छ और स्वस्थ रहेंगे, और अन्य लोगों को भी प्रेरित करेंगे

आयोजन में उनकी रही उपास्थिति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कला संकाय "आधिष्ठता" प्रोफेसर, नीता यादव और एन० सी० सी० ए० एन० (ओ० दुर्बलो०) प्रजेश नाथ त्रिपाठी, राजकुमार गुप्ता सर भी उपास्थित रहे

राज त्रिपाठी

B.com 6th sem

सभी जगह से छात्र ज्ञान अर्जित करते हुए पुनः सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पहुंचे जहाँ ASI संग्रहालय में उनका स्वागत किया गया साथ में वीडियो छात्रों को दिखा कर कपिलवस्तु क्षेत्र का पूर्ण इतिहास बताया गया। इस प्रकार समस्त क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए छात्र वपास विश्वविद्यालय पहुंचे। कुल १६० किलोमीटर की यात्रा माननीय कुलाधिपति महोदया के मंशा अनुसार पूरित की गयी।



संग्रहालय में कपिलवस्तु से उत्खनित वस्तुओं का वीडियो देखते छात्र

धन्यवाद

संयोजक मंडल

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई जयंती

डा सुनीता त्रिपाठी -सहयुक्त आचार्य ,लोक प्रशासन विभाग , संयोजक

डा आभा द्विवेदी - सहायक आचार्य ,संस्कृत विभाग - सदस्य

डा रवि कांत शुक्ल -सहायक आचार्य , लोक प्रशासन विभाग - सदस्य

डा मुन्नो खान - सहायक आचार्य एवं प्रभारी ,मनोविज्ञान विभाग – सदस्य

श्री बिरसा मुंडा जयंती

डा सच्चिदानंद चौबे सहयुक्त आचार्य , इतिहास विभाग - संयोजक

डा सरिता सिंह सहायक आचार्य एवं प्रभारी राजनीति शास्त्र विभाग -सदस्य

डा मयंक कुशवाहा सहायक आचार्य एवं प्रभारी समाजशास्त्र विभाग - सदस्य

युवा दिवस

डा रेनु त्रिपाठी सहायक आचार्य , हिंदी विभाग - संयोजक

डा अमित कुमार साहनी , सहायक आचार्य एवं प्रभारी , अंग्रेजी विभाग - सदस्य

डा किरण गुप्ता , सहायक आचार्य वनस्पति शास्त्र विभाग - सदस्य

डा विनीता रावत , सहायक आचार्य , जंतु विज्ञान विभाग – सदस्य

संविधान दिवस

डा अरविन्द कुमार रावत , सहायक आचार्य , लोक प्रशासन विभाग - समन्वयक

डा शरदेन्दु कुमार त्रिपाठी , सहायक आचार्य , प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग - सदस्य

डा विमल चंद्र वर्मा , सहायक आचार्य , वाणिज्य विभाग - सदस्य

डा अमित कुमार साहनी ,सहायक आचार्य , अंग्रेजी विभाग -सदस्य

डा रक्षा , सहायक आचार्य , गृह विज्ञान विभाग – सदस्य

पढ़े विश्वविद्यालय ,बढ़े विश्वविद्यालय एवं पढ़े महविद्यालय , बढ़े महाविद्यालय

डा सचिदानंद चौबे ,सहयुक्त आचार्य , इतिहास विभाग - संयोजक

डा यशवंत यादव , सहायक आचार्य एवं NCC कार्यक्रम अधिकारी , इतिहास विभाग -सदस्य

डा नीरज कुमार सिंह सहायक आचार्य , प्रबंधन विभाग -सदस्य
डा मनीषा बाजपाई , सहायक आचार्य , भौतिकी विभाग - सदस्य

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

डा रेनू त्रिपाठी, सहायक आचार्य , हिंदी विभाग -संयोजक . माननीय कुलपति जी द्वारा छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गयी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जनजातीय छात्रों द्वारा भाषण दिए जाने हेतु

डा शरदेन्दु कुमार त्रिपाठी ,सहायक आचार्य , प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग - संयोजक
डा धर्मेन्द्र कुमार , सहायक आचार्य ,संस्कृत विभाग - सदस्य
डा अब्दुल हफ़ीज़, सहायक आचार्य , उर्दू विभाग - सदस्य
डा राज कुमार गुप्ता , अतिथि प्रवक्ता , प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग – सदस्य

साइकिल यात्रा

डा विशाल गुप्ता सहयुक्त आचार्य एवं क्रीडा अधिकारी , भूगोल विभाग - संयोजक
डा आशुतोष कुमार वर्मा , सहयुक्त आचार्य वनस्पति शास्त्र विभाग - सह संयोजक
डा लक्ष्मण सिंह सहयुक्त आचार्य, रसायन शास्त्र विभाग - सह संयोजक
डा प्रज्ञेय नाथ त्रिपाठी , सहायक आचार्य एवं NCC अधिकारी , -सदस्य
डा दिनेश प्रसाद ,सहायक आचार्य , वाणिज्य विभाग - सदस्य
डा हरेन्द्र कुमार शर्मा , सहायक आचार्य ,मनोविज्ञान विभाग -सदस्य
डॉ अमित कुमार साहनी , सहायक आचार्य एवं प्रभारी अंग्रेजी विभाग - सदस्य
डॉ मयंक कुशवाहा , सहायक आचार्य एवं प्रभारी समाजशास्त्र विभाग - सदस्य
डा शरदेन्दु कुमार त्रिपाठी , सहायक आचार्य , प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग - सदस्य
डा दीपक जायसवाल ,सहायक आचार्य प्रबंधन विभाग - सदस्य
डॉ मनीषा बाजपाई , सहायक आचार्य , भौतिकी विभाग - सदस्य
डॉ रक्षा , सहायक आचार्य , गृह विज्ञान विभाग – सदस्य
डा विनीता रावत , सहायक आचार्य जंतु विज्ञान विभाग -सदस्य
डा अंकिता श्रीवास्तव , सहायक आचार्य, वनस्पति शास्त्र विभाग - सदस्य
डा सरिता सिंह , सहायक आचार्य एवं प्रभारी राजनीति शास्त्र विभाग - सदस्य
डा प्रदीप पांडेय सहायक आचार्य , समाजशास्त्र विभाग – सदस्य

आभार

माननीय कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल सम्प्रति राज्यपाल उत्तर प्रदेश के मातृ तुल्य आशीर्वाद से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि सुचिता पूर्वक संचालित की जा रही है। छात्रों के समग्र विकास के लिए माननीय की गहन सोच वरदान के रूप में साबित हो रही है। विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार वृहद् कार्यक्रम आयोजित किये गए जिसमें छात्रों ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया। अति उत्साहित हो कर छात्रों ने प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। विभिन्न अंचलों से आये विद्यार्थियों ने प्रत्येक प्रतियोगिता में अपनी रूचि अनुसार प्रतिभाग किया। मुझे इस बात को बताते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है की इतने ग्रामीण अंचल से निकल कर छात्रों को राजभवन पहुँचने का अवसर प्राप्त हुआ। महामहिम के हाथों पुरुस्कृत हो कर छात्र अत्यंत प्रसन्न थे। महामहिम का आशीर्वाद विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ इसके लिए हम सब सौभाग्यशाली हैं।

छात्रोंके समग्र विकास का ध्येय, महामहिम की प्रेरणा से माननीय कुलपति प्रो कविता शाह ने हमें प्रदान किया है। हम कृतज्ञ हैं कि नित नयी प्रयोजनाओं के साथ हम प्रगति कि राह पर अग्रसर हैं। छात्रों को समय समय पर ग्रामीण अंचलों में प्रयोजन कार्य हेतु ले जाया जाता है जिस से वे जन समपर्क स्थापित कर उन्हें नयी राह दिखाते हैं। गोद लिए गांव में स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए। छात्रों हेतु सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम भी कराया गया। साथ ही छात्रों को विधिक साक्षरता कैंप के माध्यम से जागरूक भी किया गया। छात्रों के रक्त जाँच शिविर भी विश्वविद्यालय में आयोजित कराये गए। मैं उन सभी संयोजक एवं सदस्यों का आभार ज्ञापन करती हूँ जिन्होंने बड़ी मेहनत से छात्रों को तैयार कराया और कार्यक्रम को सफल बनाया। मैं सभी तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के सहयोग के लिए धन्यवाद करती हूँ।

इन सब कार्यक्रम में माननीय के प्रेरणा सर्वोपरि थी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय परिवार अनुगृहीत है। यह माननीया का सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के लिए प्रेम ही है जो उन्हें बार बार यहाँ खींच लाता है। मुझे यह कहने में तनिक भी संदेह नहीं है की जब भी महामहिम सिद्धार्थ विश्वविद्यालय पधारती है, एक नव चेतना का सृजन हो जाता है। छात्र और शिक्षक नव ऊर्जा को प्राप्त करते हैं। इन्ही शब्दों के साथ मैं पुनः महामहिम का सादर अभिवादन एवं वंदन करती हूँ।

सादर धन्यवाद एवं आभार

जय हिन्द जय भारत

डा नीता यादव

अधिष्ठाता छात्र कल्याण

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु



